राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,31 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–334 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माँ हीरा बा का निधन

पंचतत्व में विलीन हुई मां हीराबा, पीएम नरेंद्र मोदी ने दी मुखाग्नि

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीरा बा ने शतायु पूर्ण करके शुक्रवार तड़के अपने भौतिक शरीर को त्याग दिया।

यहां यू एन मेहता हृदय रोग संस्थान में दो दिन पूर्व भर्ती श्रीमती हीरा बा ने आज तड़के ब्रह्म मुहूर्त में करीब साढ़े तीन बजे अंतिम श्वास ली। उन्होंने हाल ही में अपनी सौंवी वर्षगांठ मनायी थी। श्री मोदी कल भी अहमदाबाद में मां को देखने गए थे।

शोकाकुल प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ट्विटर पर मां को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, शानदार शताब्दी का ईश्वर चरणों में विराम... मां में मैंने हमेशा उस त्रिमूर्ति की अनुभूति की है, जिसमें एक तपस्वी की यात्रा, निष्काम कर्मयोगी का प्रतीक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध जीवन समाहित रहा है।

उन्होंने लिखा, मैं जब उनसे 100वें जन्मदिन पर मिला तो उन्होंने एक बात कही थी, जो हमेशा याद रहती है कि काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से।

मां के निधन के बाद श्री मोदी नयी दिल्ली से अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए। उन्हें आज कोलकाता में कई कार्यक्रमों में भाग लेना था। सूत्रों के अनुसार वह कुछ कार्यक्रमों में वीडियो लिंक के माध्यम से शिरकत करेंगे।

राजनाथ ने हीरा बा के निधन पर दुख जताया

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीरा बा के निधन पर दुख और संवेदना व्यक्त की है। श्री सिंह ने शुक्रवार को एक ट्वीट संदेश में कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की माताश्री, हीरा बा के निधन से मुझे गहरी वेदना हुई है। एक माँ का निधन किसी भी व्यक्ति के जीवन में ऐसी शून्यता लाता है, जिसकी भरपाई असंभव है। दुख की इस घड़ी में प्रधानमंत्रीजी और उनके पूरे परिवार के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ। ? शांति उल्लेखनीय है कि श्रीमती हीरा बा का आज तड़के साढ़े तीन बजे अहमदाबाद के यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी।

रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मां हीरा बा के निधन पर शोक जताया

केंद्रीय गृह मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीरा बा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री रिजिजू ने शुक्रवार को अपने ट्वीट संदेश में कहा, एक प्यारी माँ जिसने देश को बेशकीमती हीरा दिया। एक शानदार सदी जीने के बाद उन्हें श्रीचरणों में स्थान मिले। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता हीराबेन मोदी जी के निधन पर मेरी गहरी संवेदना। उसकी आत्मा को शांति मिले।उल्लेखनीय है कि श्रीमती हीरा बा का आज तड़के अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी।

हीरा बा का संघर्षपूर्ण जीवन भारतीय आदर्शों का प्रतीक-मुर्मू

● राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज कहा है कि श्रीमती हीरा बा का संघर्षपूर्ण जीवन भारतीय आदर्शों का प्रतीक है। श्रीमती मुर्मू ने श्रीमती हीरा बा के निधन पर शुक्रवार को अपने शोक संदेश में कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबा का सौ वर्षों का संघर्षपूर्ण जीवन भारतीय आदर्शों का प्रतीक है। श्री मोदी ने 'मातृदेवोभव' की भावना और हीराबा के मूल्यों को अपने जीवन में ढाला। मैं पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं। परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं!

योगी ने हीरा बा के निधन शोक व्यक्त किया

● उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के माँ हीरा बा के निधन पर शोक व्यक्त करे हुए कहा कि एक पुत्र के लिए माँ पूरी दुनिया होती है। माँ का निधन पुत्र के लिए असहनीय और अपूरणीय क्षति होती है। श्री योगी ने ट्वीट किया, ऽएक पुत्र के लिए माँ पूरी दुनिया होती है। माँ का निधन पुत्र के लिए असहनीय और अपूरणीय क्षति होती है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की पूज्य माता जी का निधन अत्यंत दु:खद है।

स्मृति ने हीरा बा के निधन पर शोक व्यक्त किया

● केन्द्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी की नेता स्मृति ईरानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माँ के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्ति के जीवन में माँ का स्थान विशेष होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की माताश्री हीरा बा का निधन अत्यंत पीड़ाजनक समाचार है। व्यक्ति के जीवन में माँ का स्थान विशेष होता है। श्रीमती ईरानी ने अपने शोक संदेश में कहा, ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और प्रधानमंत्री जी व उनके परिवार को दु:ख सहने की शक्ति दें।

शाह ने हीरा बा के निधन पर दुख व्यक्त किया

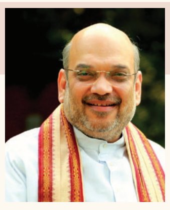

● केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीरा बा के निधन पर दुख व्यक्त किया है।श्री शाह ने शुक्रवार को अपने ट्वीट संदेश में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की पूज्य माताजी हीरा बा के स्वर्गवास की सूचना अत्यंत दु:खद है। माँ एक व्यक्ति के जीवन की पहली मित्र और गुरु होती है जिसे खोने का दु:ख नि:संदेह संसार का सबसे बड़ा दु:ख है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, हीरा बा ने जिन संघर्षों का सामना करते हुए परिवार का पालन पोषण किया वो सभी के लिए एक आदर्श हैं। उनका त्यागपूर्ण तपस्वी जीवन सदा हमारी स्मृति में रहेगा। पूरा देश दु:ख की इस घड़ी में प्रधानमंत्री मोदी जी एवं उनके परिवार के साथ खड़ा है। करोड़ों लोगों की प्रार्थना आपके साथ हैं। ? शांति उल्लेखनीय है कि श्रीमती हीरा बा का आज तड़के अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी।

मुख्यमंत्री शिवराज ने प्रधानमंत्री मोदी की मां हीरा बा के निधन पर जताया दुख

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीरा बा का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे 100 साल की थी। शुक्रवार तडके साढ़े तीन बजे उन्होंने अहमदाबाद के यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन के निधन से देश में शोक की लहर है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां हीराबा के निधन पर दुख जताते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने ट्वीट के माध्यम से हीराबा को नमन करते हुए लिखा 'भक्ति, तपस्या और कर्म की त्रिवेणी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी जैसे महान व्यक्तित्व को गढने़ वाली माँ के चरणों में सादर प्रणाम। पूज्य माँ सदैव प्रेरणा बनी रहेगी।

सड़क दुर्घटना में क्रिकेटर ऋषभ पंत घायल, कार में लगी आग

देहरादून। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार क्रिकेटर ऋषभ पंत शुक्रवार सुबह उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रुड़की में सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। यह दुर्घटना कार के डिवाइडर से टकराने से हुई। जिसके बाद कार में आग लग गई। उन्हें घायल अवस्था में देहरादून के मैक्स अस्पताल लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार ऋषभ पंत दिल्ली से मर्सिडीज कार से उत्तराखंड के रुड़की स्थित अपने घर आ रहे थे। आज सुबह लगभग साढ़े पांच बजे कोतवाली मंगलोर क्षेत्र के मोहम्मदपुर जट के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर से टकराने के बाद कार में आग लग गई। किसी तरह क्रिकेटर और उनके साथ बैठे चालक

● **पुलिस सूत्रों के अनुसार ऋषभ पंत दिल्ली से मर्सिडीज कार से उत्तराखंड के रुड़की स्थित अपने घर आ रहे थे। आज सुबह लगभग साढ़े पांच बजे कोतवाली मंगलोर क्षेत्र के मोहम्मदपुर जट के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।**

सहित एक अन्य व्यक्ति को कार से निकाला गया। सूचना मिलने पर मौके पर 108 और हरिद्वार पुलिस द्वारा घायलों को सर्वप्रथम रुड़की के सक्षम अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल के चेयरमैन डॉ सुशील नागर ने बताया कि फिलहाल ऋषभ पंत की हालत स्थिर बनी हुई है। डॉक्टरों के मुताबिक ऋषभ के माथे और पैर में चोट आई है। उनको रुड़की से देहरादून के मैक्स अस्पताल रेफर किया गया है। वहां उनकी प्लास्टिक सर्जरी की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वाहन दुर्घटना में घायल क्रिकेटर ऋषभ पंत के बारे में अधिकारियों से जानकारी लेते हुए उनका समचित इलाज की हरसम्भव व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने श्री पंत के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि उनके इलाज का सारा व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। अगर एयर एम्बुलेंस की आवश्यकता होती है तो उसकी भी व्यवस्था की जाएगी।

उज्बेकिस्तान में कफ सिरप से बच्चों की मौत मामले में जांच शुरू

नई दिल्ली। भारतीय फार्मास्यूटिकल फर्म मैरियन बायोटेक की कफ सीरप के सेवन से उज्बेकिस्तान में कथित रूप से 18 बच्चों की मौत के मामले की जांच केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने शुरू कर दी है। यही नहीं सीडीएससीओ इस संबंध में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय औषधि नियामक के नियमित संपर्क में है और घटना के संबंध में और जानकारी मांगी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि दवा कंपनी का निरीक्षण कर सैंपल लिए गए हैं और उन्हें जांच के लिए चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय औषधि जांच प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि एक रोज पूर्व उज्बेकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि भारतीय फर्म द्वारा निर्मित कफ सीरप से उसके यहां 18 बच्चों की मौत हो गई है। विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों और उत्तर प्रदेश के औषधि विभाग के एक दल ने गुरुवार को नोएडा स्थित दवा कंपनी के कार्यालय का निरीक्षण किया।

10 साल से उज्बेकिस्तान भेजी जा रही

दवा–दवा फर्म के कानूनी सलाहकार हसन हारिस ने कहा कि इस प्रकरण पर हमें अफसोस है। सरकार मामले की जांच कर रही है। नमूनों की रिपोर्ट आने के बाद सब कुछ साफ होगा। फर्म की तरफ से दवा निर्माण में कोई कमी नहीं है। कंपनी पिछले दस वर्षों से उज्बेकिस्तान में दवा की आपूर्ति कर रही है। कभी भी इस तरह की शिकायत नहीं आई है। जांच के बाद ही सब कुछ साफ हो पाएगा।

ओवरडोज हो सकता है मौत का कारण

फर्म को केवल बाहर दवा आपूर्ति करने की अनुमति है। नोएडा के जिला औषधि निरीक्षक ने कहा कि उज्बेकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवरडोज (अत्यधिक मात्रा में दवा का सेवन) और बिना प्रिस्क्रिप्शन (बिना डाक्टर की सलाह) दवा के सेवन से बच्चों की मौत की आशंका है।

प्राथमिक जांच दवा में नहीं मिली कोई अनियमितता–उज्बेकिस्तान भेजी गई कफ सिरप का निर्माण मई-2021 में हुआ था। इसकी एक्सपायरी अप्रैल-2024 है। सीरप की जून में आपूर्ति की गई थी। फार्मास्यूटिकल कंपनी ने कहा कि अक्टूबर 2022 से संबंधित कफ सीरप का उत्पादन नहीं हुआ है। जांच रिपोर्ट आने तक तक इस कफ सिरप के उत्पादन पर रोक लगाई गई है। मंगलवार के बाद बृहस्पतिवार को भी औषधि विभाग की टीम ने दवा फर्म पहुंचकर तीन अलग-अलग कफ सीरप के सैंपल लिए। अब तक पांच कफ सीरप के नमूने लिए जा चुके हैं। उज्बेकिस्तान के मंत्रालय के मुताबिक प्रयोगशाला में जांच के दौरान सीरप के एक बैच में रासायनिक एथिलीन ग्लाइकोल पाया गया, जोकि हानिकारक होता है।

राहुल, प्रियंका, खडगे ने मोदी की मां के निधन पर जताया शोक

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्री खडगे ने अपने शोक संदेश में कहा, श्रीमती हीराबेन मोदी के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। श्री नरेन्द्र मोदी जी को माँ के स्वर्गवास पर मेरी हार्दिक संवेदना। दु:ख की इस घड़ी में पूरे परिवार के साथ संवेदना और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना।

श्री गांधी ने कहा, ÷प्रधानमंत्री नरेंद मोदी जी की माताजी, श्रीमती हीरा बा के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। इस मुश्किल समय में, मैं उन्हें और उनके परिजनों के लिए अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

श्रीमती वाड्रा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता के निधन का दुखद समाचार मिला। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान दें एवं श्री नरेंद्र मोदी जी और उनके परिवार के समस्त सदस्यों को पीड़ा के इन क्षणों में साहस दें। शांति!

चीन में कोविड लहर के बाद भारत में भी बिगड़ेंगे हाल, अगले 40-45 दिन अहम

नई दिल्ली। BF.7, ओमिक्रॉन का नया वेरिएंट जो देशभर के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। अब आशंकाएं जताई जा रही हैं कि जनवरी में संक्रमण के मामलों में इजाफा हो सकता है। साथ ही आने वाले कुछ महीने भारत के लिए काफी अहम हो सकते हैं। फिलहाल, भारत सरकार अन्य देशों में बढ़ रहे मामलों को लेकर सतर्क नजर आ रही है।

एक मीडिया रिपोर्ट में स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कोरोनावायरस संक्रमण के मामले जनवरी में बढ़ सकते हैं। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि देश के लिए आने वाले

40-45 दिन अहम साबित हो सकते हैं। जानकारों ने चेताया है कि चीन में कोरोनावायरस की लहर जब भी आई है, उसके करीब 40 दिनों के बाद भारत में भी कोविड-19 मामलों में बढ़त देखी गई है।

UP में कोरोना पॉजिटिव मिलने से हड़कंप–उप्र के पीलीभीत जिले में न्यूरिया थाना क्षेत्र में दूसरे राज्य से आए एक युवक में कोरोना वायरस के लक्षण मिलने के बाद स्वास्थ विभाग की टीम उसके गांव पहुंच गई। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर आलोक कुमार ने पत्रकारों को बताया जिले के नयूरिया क्षेत्र में एक कोरोना संक्रमित मामला मिला है जिसके बाद संक्रमित युवक को पृथक वास में भेज दिया गया है। उनके अनुसार युवक बाहर से नहीं आने की बात कह रहा है जबकि उसके पास गुजरात का एक सिम मिला है, इसलिए दूसरे राज्य से आने का कयास लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लेकिन उसके विदेश से आने की कोई पुष्टि नही हुई है, फिलहाल परिवार के लोगो की भी जांच चल रही है।

तमिलनाडु में मिला चीन से आया शख्स–तमिलनाडु में सलेम का एक व्यवसायी चीन से वापस यहां लौटने के बाद कोविड परीक्षण के दौरान संक्रमित पाया गया है। कोयम्बटूर हवाईअड्डे के निदेशक एस. सेंथिल वलावन ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 37 वर्षीय व्यवसायी गत 27 दिसंबर को चीन से सिंगापुर होते हुए कोयम्बटूर हवाईअड्डे पर उतरा, जहां उनका आरटी-पीसीआर परीक्षण किया गया, जिसमें वह कोरोना से संक्रमित पाया गया।

बर्फबारी और भीड़ की वजह से अटल टनल के पास लगा जाम, 100 वाहन फंसे

उत्तर भारत के पहाड़ों में हिमपात शुरू हो गई। इसी के साथ पर्यटक भी हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की ओर नए साल की छुट्टियां मनाने पहुंच रहे हैं। इसी बीच हिमाचल प्रदेश में साउथ पोर्टल पर अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल के करीब 100 वाहन फंस गए

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में साउथ पोर्टल पर भीड़ और बर्फबारी के कारण अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल के करीब 100 वाहन फंस गए। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, कुल्लू पुलिस के अधिकारी वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मौके पर पहुंचे। बता दें कि उत्तर भारत के पहाड़ों में गुरुवार को हिमपात शुरू होने से पर्यटकों में जहां खुशी दिखाई दी। वहीं, किसानों और बागवानों ने भी राहत की सांस ली है। हिमाचल के रोहतांग, शिंकुला, बारालाचा, धौलाधार, पांगी, भरमौर, तीसा, साचपास व सिरमौर की जूड़धार में हिमपात हुआ। शिमला शहर में दोपहर को फाहे गिरते देख पर्यटक रोमांचित हो गए। मौसम को देख नववर्ष पर पर्यटकों के अधिक संख्या में आने की उम्मीद है। प्रदेश में शीत लहर चल रही है। वहीं, जम्मू कश्मीर के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों के साथ-साथ श्रीनगर समेत सभी निचले इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई।

जांस्कर घाटी का लाहुल से कटा संपर्क

शिंकुला में हिमपात होने से लेह की जांस्कर घाटी का लाहुल से संपर्क कट गया है। सुबह फोर व्हील ड्राइव वाहन मनाली से शिंकुला होते हुए जांस्कर की ओर रवाना हुए, लेकिन दोपहर बाद मार्ग यातायात के लिए बंद हो गया। अटल टनल के बाहर मनाली की तरफ सड़क पर बर्फ जमने के कारण कुछ गाड़ियां फिसलीं। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने जेसीबी मंगवाकर जमी बर्फ को हटाया। प्रशासन ने डेढ़ माह बाद गुरुवार से रोहतांग दर्रा पर्यटकों के लिए बहाल किया था, लेकिन मौसम अनुकूल न होने से पर्यटक रोहतांग की

वादियों का रुख नहीं कर पाए। राहनीनाला सहित पर्यटन स्थल मढ़ी, ब्यास नाला व गुलाबा में भी हिमपात हुआ।

मसूरी में सीजन का पहला हिमपात

उत्तराखंड में भी गुरुवार को चोटियों पर हल्का हिमपात और निचले क्षेत्रों में हल्की वर्षा हुई। मसूरी में वर्षा के साथ सीजन का पहला हिमपात हुआ। लालटिब्बा और लंढौर में देर शाम बर्फ की फाहें गिरने से पर्यटकों के चेहरे खिल उठे। वहीं देहरादून में भी देर शाम वर्षा हुई। इससे समूचा प्रदेश कड़ाके की ठंड की चपेट में है। मैदानी क्षेत्रों में शीतलहर का प्रकोप बढ़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार, आज भी प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की वर्षा और हिमपात के आसार हैं। जिससे तापमान में और गिरावट आ सकती है। मैदानों में कहीं-कहीं शीत दिवस की स्थिति बनी रह सकती है

श्रीनगर और वैष्णो देवी में हुई पहली बर्फबारी–जम्मू-कश्मीर में नव वर्ष से पहले उच्च पर्वतीय क्षेत्रों के साथ-साथ श्रीनगर समेत सभी निचले इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई। जम्मू के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पत्नीटाप और नत्थाटाप के साथ माता वैष्णो देवी के त्रिकुटा पर्वत पर भी हल्का हिमपात हुआ। वहीं, जम्मू संभाग को राजौरी और पुंछ जिलों के रास्ते कश्मीर से जोड़ने वाला मुगल रोड भी बर्फबारी के कारण बंद हो गया है। इसके अलावा कुपवाड़ा-करनाह तथा बांडीपोरा-गुरेज मार्ग भी यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। वर्षा व बर्फबारी से हाड़ कंपा देने वाली सूखी ठंड से लोगों को कुछ राहत मिली है। इस बीच, मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान भी कई स्थानों पर हल्की बर्फबारी की संभावना जताई है।

पर्यटकों ने लिया बर्फबारी का मजा

पर्यटनस्थल गुलमर्ग, पहलगाम, दूधपथरी, सोनमर्ग व युसमर्ग में पर्यटकों ने बर्फबारी का जमकर आनंद लिया। वहीं लंबे समय से बर्फबारी का इंतजार कर रहे श्रीनगर के लोगों ने एक दूसरे को शीन मुबारक (मौसम की पहली बर्फबारी की बधाई) कहा। श्रीनगर में पर्यटक डल झील के किनारे बैठकर पानी में गिर रही बर्फ को निहारते नजर आए। ताजा बर्फबारी से किसानों व फल उत्पादकों के चेहरे भी खिल गए हैं। किसानों और बागवानों को मिलेगी राहत ञ्पर्याप्त वर्षा होने से गेहूं की फसल को लाभ होगा। बागवान बगीचों में काम शुरू कर सकेंगे। हिमाचल में मौसम विभाग के निदेशक सुरेंद्र पाल का कहना है कि शुक्रवार दोपहर तक वर्षा और हिमपात हो सकता है। कृषि विभाग के निदेशक डा. बीआर टहकी का कहना है कि रबी फसलों के लिए वर्षा वरदान साबित होगी। उनका कहना है कि पर्याप्त वर्षा हुई तो तीन माह से चला आ रहा सूखा खत्म होगा।

संपादकीय

आर्थिक दृष्टि से पिछड़ों के लिए सिर्फ 4 प्रतिशत आरक्षण रखा गया है। इस नई प्रस्तावित आरक्षण-व्यवस्था के पीछे न तो कोई ठोस आंकड़े हैं और न ही तर्क हैं। सितंबर 2022 में प्रदेश के उच्च न्यायालय ने एक फैसले में साफ़-साफ़ कहा था कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण देना असंवैधानिक है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने एक फैसले में कहा था कि सीमा से अधिक आरक्षण देना हो तो उसके लिए उसे तीन पैमानों पर पहले नापा जाना चाहिए।

आरक्षण बन गया अफीम की गोली

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

भारत में जातीय आरक्षण अफीम की गोली बन चुका है। हर राजनीतिक दल चाहता है कि वह जातीय आधार पर थोक वोट सेंत-मेत में कबाड़ ले। इस समय दो प्रदेशों में जातीय आरक्षण को लेकर काफी दंगल मचा हुआ है। एक है छत्तीसगढ़ और दूसरा है- उत्तरप्रदेश! पहले में कांग्रेस की सरकार है और दूसरे में भाजपा की सरकार। लेकिन दोनों तुली हुई हैं कि 50 प्रतिशत की संवैधानिक सीमा को तोड़कर आरक्षण को 76 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग तक बढ़ा दिया जाए। बिहार तथा कुछ अन्य प्रांतों में भी इस तरह के विवादों ने तूल पकड़ लिया है। जहाँ तक छत्तीसगढ़ का सवाल है उसकी सरकार ने विधानसभा में ऐसे विधेयक को पारित कर दिया है जो 58 प्रतिशत आरक्षण को बढ़ाकर 76 प्रतिशत कर देता है। आर्थिक दृष्टि से पिछड़ों के लिए सिर्फ 4 प्रतिशत आरक्षण रखा गया है। इस नई प्रस्तावित आरक्षण-व्यवस्था के पीछे न तो कोई ठोस आंकड़े हैं और न ही तर्क हैं। सितंबर 2022 में प्रदेश के उच्च न्यायालय ने एक फैसले में साफ़-साफ़ कहा था कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण देना असंवैधानिक है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने एक फैसले में कहा था कि सीमा से अधिक आरक्षण देना हो तो उसके लिए उसे तीन पैमानों पर पहले नापा जाना चाहिए। याने उनकी आर्थिक-शैक्षणिक स्थिति उन्हें आरक्षण की जरूरत है या नहीं और वह उनको दिया जा सकता है या नहीं? यह जांचने के लिए बाकायदा एक सर्वेक्षण आयोग बनाया जाना चाहिए। इन सब शर्तों को दरकिनार करके सभी राज्य आरक्षण को आनन-फानन बढ़ा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में तो राज्यपाल अनसुइया उइके पर राजनीतिक प्रहार किए जा रहे हैं कि वे भाजपा के इशारे पर इस विधेयक पर दस्तखत नहीं कर रही हैं। यदि यह सही होता तो उ.प्र. के मुख्यमंत्री स्थानीय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने पर क्यों अड़े हुए हैं? योगी के इस फैसले का विरोध अखिलेश और मायावती भी कर रहे हैं क्योंकि उनके वोट बैंक में इस फैसले से सेंध लग सकती है। योगी ने अपने उच्च न्यायालय के आरक्षण-विरोधी फैसले से असहमति व्यक्त की है और कहा है कि जब तक इस आरक्षण का प्रावधान नहीं होगा उ.प्र. में स्थानीय चुनाव नहीं होंगे। उ.प्र. सरकार ने न्यायालय की अपेक्षा को पूरा करने के लिए एक जातीय सर्वेक्षण आयोग का प्रावधान भी कर दिया है। अर्थात सरकारें कांग्रेस की हों भाजपा की हों जदयू की हों या कम्युनिस्टों की हों किसी की हिम्मत नहीं है कि वह जातीय आरक्षण का विरोध करे याने वे डॉ. आंबेडकर की इच्छा को पूरी करते अर्थात जात-आधारित आरक्षण को 10 साल से ज्यादा चलने न देते। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल तो स्वयं आदिवासी महिला हैं। वे आदिवासियों के हितार्थ बहुत कुछ पहल कर रही हैं। वे यदि इस अंधाधुंध जातीय आरक्षण पर शांति से विचार करने के लिए कह रही हैं तो उसमें गलत क्या है? हमारी अदालतें भी आरक्षण के विरुद्ध नहीं हैं लेकिन वे अंधाधुंध रेवड़ियां बांटने का विरोध कर रही हैं तो नेताओं को ज़रा अपने थोक वोटों के लालच पर कुछ लगाम लगाना चाहिए या नहीं?

सूक्ति

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं। - कहावत

वाणी चाँदी है मौन सोना है वाणी पार्थिव है पर मौन दिव्य। - कहावत

लॉफिंग ज़ोन

पिता (बेटे से), 'तुम्हारे सहपाठी कह रहे थे कि तुमने स्कूल में आज भी बहुत शैतानी की।'

बेटा, 'सब झूठ बोलते हैं, आज तो मैं शुरू से आखिर तक चुपचाप बैंच पर खड़ा रहा।

□ □ □

रोगी, 'डाक्टर साहिब मुझे हर चीज की दो चीजें दिखाई देती हैं। कोई इलाज बताइए।'

डाक्टर, 'अच्छा ठीक हैं। तुम सब बारी-बारी से आओ। चारों एक साथ क्यों आ गए।'

□ □ □

रोगी (डाक्टर से), 'जनाब मुझे दवाई में पचास प्रतिशत कन्सैशन मिलनी चाहिए।'

डाक्टर, 'वह क्यों?'

रोगी, 'इसलिए कि सारे इलाके में बीमारी मेरी वजह से फैली हैं।'

□ □ □

पिता (मोहन से), 'मैंने तुम्हें चीनी लाने के लिए कहा था और तुम टॉफियां उठाए चले आ रहे हो।'

मोहन, 'पिता जी दुकानदार ने कहा था कि यह दस का नोट बहुत पुराना और फटा हुआ हैं, यह नहीं चलेगा।'

पिता, 'तो फिर उसने टॉफियां कैंसे दे दी?'

मोहन, 'वे तो मैंने दूसरी दुकान से ली थीं।'

विकसित देशों की नागरिकता ले रहे कुछ भारतीय देश की आर्थिक प्रगति को ही दर्शा रहे हैं

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

केंद्र सरकार ने दिनांक 9 दिसम्बर 2022 को भारतीय संसद को सूचित किया कि वर्ष 2011 से 31 अक्टोबर 2022 तक 16 लाख भारतीयों ने अन्य देशों विशेष रूप से विकसित देशों की नागरिकता प्राप्त कर ली है। इसकी वर्षवार जानकारी भी प्रदान की गई है - वर्ष 2011 में 122819 भारतीयों ने अन्य देशों की नागरिकता प्राप्त की थी इसी प्रकार वर्ष 2012 में 120923 भारतीय; वर्ष 2013 में 131405 भारतीय; वर्ष 2014 में 129328 भारतीय; वर्ष 2015 में 131489 भारतीय; वर्ष 2016 में 141603 भारतीय; वर्ष 2017 में 133049 भारतीय; वर्ष 2018 में 134561 भारतीय; वर्ष 2019 में 144017 भारतीय; वर्ष 2020 में 85256 भारतीय; वर्ष 2021 में 163370 भारतीय एवं वर्ष 2022 में (31 अक्टोबर तक) 183741 भारतीयों ने अन्य देशों की नागरिकता प्राप्त की। वर्ष 2011 से यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है केवल वर्ष 2020 को छोड़कर क्योंकि इस वर्ष कोरोना महामारी ने पूरे विश्व को अपनी जकड़ में ले लिया था। जिन भारतीयों ने हाल ही के वर्षों में अन्य देशों में नागरिकता प्राप्त की है उनमें से अधिकतम भारतीयों ने अमेरिका में नागरिकता प्राप्त करने के उपरांत भारतीय नागरिकता छोड़ी है। वर्ष 2021 में 78284 भारतीयों ने अमेरिकी नागरिकता प्राप्त की जो वर्ष 2020 में 30828 भारतीयों द्वारा अमेरिकी नागरिकता प्राप्त की गई संख्या से बहुत अधिक है। भारतीय किन कारणों के चलते अन्य देशों में नागरिकता प्राप्त कर रहे हैं इस विषय पर विचार करने पर ध्यान में आता है कि इसके पीछे दरअसल कई आर्थिक कारण ही जिम्मेदार हैं। सबसे पहिले तो भारत में लगातार तेजी से हो रहे आर्थिक विकास के चलते कई भारतीय अन्य देशों में अपना व्यवसाय फैला रहे हैं इस व्यवसाय की देखभाल करने के उद्देश्य से कई भारतीय परिवार अपने कुछ सदस्यों को अन्य देशों विशेष रूप से विकसित देशों में नागरिकता प्रदान करवा रहे हैं। क्योंकि वर्तमान में जारी नियमों के अनुसार कोई भी व्यक्ति केवल एक देश की नागरिकता प्राप्त कर सकता है। यदि किसी व्यक्ति ने अमेरिकी नागरिकता प्राप्त कर ली है तो उसे भारतीय नागरिकता छोड़नी होगी। दूसरे विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी जैसे तकनीकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त भारतीय नौजवानों को रोजगार के अधिकतम अवसर विकसित देशों में ही उपलब्ध हो रहे हैं और इन देशों में वेतन भी भारत की तुलना में बहुत अधिक प्राप्त होता है। आज अमेरिका में भारतीय मूल के नागरिक जो उच्च शिक्षा एवं उच्च कौशल वाले क्षेत्रों में कार्यरत हैं उनका औसत वेतन प्रतिवर्ष 125000 डॉलर से अधिक है जबकि अमेरिका में निवास कर रहे नागरिकों का औसत वेतन प्रतिवर्ष लगभग 70000 डॉलर के आसपास है। एक तो नौकरियों की अधिक उपलब्धता दूसरे बहुत अधिक वेतन ये बहुत महत्वपूर्ण कारक हैं जो उच्च शिक्षा प्राप्त भारतीयों को अन्य देशों में रोजगार प्राप्त करने हेतु आकर्षित कर रहे हैं। तीसरे कई विकसित देशों ने अन्य देशों के नागरिकों को शीघ्रता से नागरिकता प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष निवेश योजनाएं चला रखी हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत यदि कोई विदेशी नागरिक इन देशों में एक पूर्व निर्धारित राशि का निवेश करता है एवं पूर्व निर्धारित संख्या में रोजगार के नए अवसर उस देश में निर्मित करता है तो उसे उस देश की नागरिकता 'गोल्डन वीजा रूट' के अंतर्गत शीघ्रता से प्रदान कर दी जाती है। इसी कारण के चलते भी कई भारतीय इन देशों में अपनी बहुत बड़ी राशि का निवेश कर रहे हैं एवं इस चैनल के माध्यम से इन विकसित देशों की नागरिकता प्राप्त कर रहे हैं। वर्ष 2021 में इंग्लैंड में 'गोल्डन वीजा रूट' के माध्यम से बसने हेतु प्राप्त की जाने वाली जानकारी प्राप्त करने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या वर्ष 2021 में 54 प्रतिशत बढ़ गई। अब तो इस प्रकार की योजनाएं यूरोपीय देश पुर्तगाल माल्टा ग्रीस आस्ट्रेलिया अमेरिका कनाडा इंग्लैंड आदि भी लागू कर भारतीयों को अपने अपने देशों में आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। चूंकि भारत आर्थिक क्षेत्र में पिछले लगभग 8-9 वर्षों से लगातार तेजी से विकास कर रहा है अत: पूरे विश्व के लिए एक आकर्षण का क्षेत्र बना हुआ है। भारत में विदेशी निवेश बहुत तेज गति से बढ़ रहा है एवं कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में अपनी औद्योगिक एवं विनिर्माण इकाईयों की लगातार स्थापना कर रही हैं इससे कई भारतीयों ने भी आर्थिक क्षेत्र में अकल्पनीय तरक्की हासिल की है जिसके चलते कई भारतीय अपनी व्यावसायिक इकाईयों को अन्य देशों विशेष रूप से विकसित देशों में भी स्थापित कर अपने व्यवसाय को वैश्विक स्तर पर फैलाना चाहते हैं इसलिए यह देश इस वर्ग को एक आकर्षण के रूप में दिखाई दे रहे हैं। वैसे भी अब पूरा विश्व ही एक तरह से वैश्विक गांव का रूप ले चुका है। देश में लगातार तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास के चलते कई भारतीयों की आर्थिक स्थिति में इतना अधिक सुधार हुआ है कि वे सपरिवार कई विकसित देशों की पर्यटन की दृष्टि से यात्रा पर जाने लगे हैं। वर्ष 2019 में 25271965 भारतीयों ने अन्य देशों की यात्रा की है कोरोना महामारी के चलते यह संख्या वर्ष 2020 में 6625080 एवं वर्ष 2021 में 7724864 पर आकर कम हो गई थी परंतु वर्ष 2022 में (31 अक्टोबर तक) पुन: तेजी से बढ़कर 18312602 हो गई है। विकसित देशों की यात्रा के दौरान ये भारतीय वहां रह रहे नागरिकों के रहन सहन के स्तर एवं बहुत आसान जीवन शैली से बहुत अधिक प्रभावित होकर इन देशों की ओर आकर्षित होते हैं। भारत में आने के बाद ये परिवार लगातार यह प्रयास करना शुरू कर देते हैं कि किस प्रकार इनके बच्चों को इन विकसित देशों में रोजगार प्राप्त हों और मौका मिलते ही अर्थात रोजगार प्राप्त होते ही कई भारतीय इन विकसित देशों में बसने की दृष्टि से चले जाते हैं। साथ ही आज लाखों भारतीय विदेशों में उच्च शिक्षा एवं उच्च कौशल युक्त क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने एवं अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने के उद्देश्य से विकसित देशों की ओर रूख कर रहे हैं क्योंकि इन देशों में इन भारतीयों को तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक वेतन प्राप्त हो रहा है। इन विकसित देशों में भारतीय मूल के नागरिकों को वहां की नागरिकता प्राप्त होते ही वे अपने परिवार के अन्य सदस्यों को भी इन देशों में बुला लेते हैं एवं सपरिवार इन विकसित देशों में बस जाते हैं। मोर्गन स्टैन्ली द्वारा वर्ष 2018 में इकोनोमिक टाइम्ज़ में प्रकाशित एक प्रतिवेदन में बताया है कि वर्ष 2014 से वर्ष 2018 के बीच भारत से डॉलर मिलिनायर की श्रेणी के 23000 भारतीयों ने अन्य देशों में नागरिकता प्राप्त की। डॉलर मिलिनायर उस व्यक्ति को कहा जाता है जिसकी सम्पत्ति 10 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक रहती है। इसी प्रकार ग्लोबल वेल्थ मायग्रेशन रिव्यू आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 में डॉलर मिलिनायर की श्रेणी के 7000 भारतीयों ने अन्य देशों विशेष रूप से अमेरिका में नागरिकता प्राप्त की है। उक्त संख्या भारत में डॉलर मिलिनायर की कुल संख्या का 2.1 प्रतिशत है। सबसे अधिक संख्या में चीन से डॉलर मिलिनायर श्रेणी के 16000 नागरिकों ने अन्य देशों में नागरिकता प्राप्त की है। इस सूची में चीन के बाद भारत एवं रूस का स्थान आता है। विभिन्न देशों से डॉलर मिलिनायर नागरिक विशेष रूप से अमेरिका आस्ट्रेलिया स्विजरलैंड कनाडा सिंगापुर जैसे देशों में नागरिकता प्राप्त कर रहे हैं। क्योंकि इन देशों में व्यापार करने हेतु बहुत आसान नियम लागू किए गए हैं। इन देशों में बहुत अधिक मात्रा में जमीन उपलब्ध है एवं पर्यावरण की दृष्टि से भी ये देश तुलनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस किए जाते हैं। इन देशों में शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधाएं भी बहुत उच्च मानदंडों के आधार पर उपलब्ध हैं। यह समस्त देश विकसित देशों की श्रेणी में आते हैं अत: हर प्रकार की सुविधा यहां उचित मात्रा में उपलब्ध है। व्यवसाय को बढ़ाने हेतु उचित वातावरण है नागरिकों के रहने का स्तर भी बहुत ऊंचा है। हालांकि इन्हीं देशों में ही इस धरा का अधिकतम शोषण भी किया गया है।

जीवन पर संकट बनता जीवनदायी जल

पंकज चतुर्वेदी

कभी कानपुर के चमड़े । कारखाने वहां की शान हुआ करते थे, आज यही यहां के जीवन के लिए चुनौती बने हुए हैं। एक तरफ नमामि गंगे के दमकते इश्तिहार हैं तो सामने रानिया, कानपुर देहात और राखी मंडी, कानपुर नगर आदि में गंगा में अपशिष्ट के तौर पर मिलने वाले क्रोमियम की दहशत है। वह तो भला हो एनजीटी का जो क्रोमियम कचरे के निपटान के लिए सरकार को कसे हुए है। यह सरकारी अनुमान है कि इन इलाकों में गंगा किनारे सने् 1976 से अभी तक करीब 1,22,800 घन मीटर क्रोमियम कचरा एकत्र है। विदित हो क्रोमियम ग्यारह सौ सेंटीग्रेड तापमान से अधिक पर पिघलने वाली धातु है और इसका इस्तेमाल चमड़ा, इस्पात, लकड़ी और पेंट के कारखानों में होता है। यह कचरा पांच दशक से यहां के भूजल और जमीन को जहरीला बनाता रहा और सरकारें कभी जुर्माना तो कभी नोटिस देकर औपचारिकताएं पूरी करती रहीं। हालात यह हैं कि उत्तराखंड से तारणहारा के रूप में निकलती गंगा कानपुर आते-आते कराहने लगती है, सरकारी मशीनरी इसमें गंदगी रोकने के संयंत्र लगाने पर खर्चा करती है जबकि असल में इसके किनारों पर कम कचरा डालने की बात होनी चाहिए। सन् 2021 का एक शोध बताता है कि कानपुर में परमट से आगे गंगाजल अधिक जहरीला है। इसमें न सिर्फ क्रोमियम की मात्रा 200 गुना से अधिक है, बल्कि पीएच भी काफी ज्यादा है। यह जल सिर्फ मानव शरीर को नहीं बल्कि जानवरों और फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। यह खुलासा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के बायोसाइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी विभाग की ओर से हुई जांच में हुआ है। विभाग के छात्र और शिक्षकों ने नौ घाटों पर जाकर गंगाजल का सैंपल लिया। इनकी जांच कर टीम ने रिपोर्ट तैयार की है जो काफी चौंकाने वाली निकली है। कन्नौज के आगे गंगाजल की स्थिति बहुत अधिक भयावह नहीं है मगर परमट घाट के आगे अचानक प्रदूषण और केमिकल की स्थिति बढ़ती जा रही है। मार्च, 2022 में कानपुर के मंडल आयुक्त द्वारा गठित एक सरकारी समिति ने स्वीकार किया कि परमिया नाले से रोजाना 30 से 40 लाख लीटर, परमट नाले से 20 लाख और रानीघाट नाले से 10 लाख लीटर प्रदूषित कचरा प्रतिदिन सीधे गंगा में जा रहा है। कानपुर में गंगा किनारे कुल 18 नाले हैं जिनमें से 13 को काफी पहले टैप किए जाने का दावा किया गया है। हकीकत यह है कि ये नाले ओवरफ्लो होकर गंगा को गंदगी से भर रहे हैं। क्रोमियम की सीमा से अधिक मात्रा जाजमऊ और वाजिदपुर में भयावह हालात पैदा किये है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक पानी में क्रोमियम की मात्रा 0.05 होनी चाहिए। कन्नौज से गंगा बैराज तक स्थिति लगभग सामान्य है मगर जाजमऊ और वाजिदपुर में अचानक क्रोमियम की मात्रा खतरनाक होती जा रही है। 85 गांवों के करीब पांच लाख लोगों की जिंदगी में जहर घोल दिया है। किसी परिवार में गोद सूनी है तो किसी गर्भ से उपजा नवजात मानसिक और शारीरिक रूप से दिव्यांग है। इसके अतिरिक्त भूजल में क्रोमियम की मौजूदगी ने सैकड़ों लोगों को कैंसर की सौगात बांटी है। क्रोमियम युक्त पानी ने धरती को भी बंजर किया है। इलाके में पैदावार घट गई है और फसल भी पकने से पहले मुरझाने लगती है। जाजमऊ इलाके के शेखपुर, वाजिदपुर, प्योंदी, जाना, अलौलापुर जैसे तमाम गांव है, जहां किसी महिला के गर्भ ठहरने पर खुशी से अधिक तनाव होता है। चूंकि यहां टेनरियों ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के जरिए जलशोधन के बजाय क्रोमियम युक्त पानी को सीधे गंगा नदी में बहाया है। सख्ती हुई तो अधिकांश टेनरियों ने रिवर्स बोरिंग के जरिए भूजल में प्रदूषित पानी मिलाना शुरू कर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि गंगा के किनारे तीन-चार किलोमीटर के दायरे में भूजल में क्रोमियम की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच गई। एक दर्जन गांवों में सरकार ने भूजल के पेयजल के रूप में प्रयोग पर रोक भी लगाई है। मजबूरी में ग्रामीण भूजल का इस्तेमाल करते हैं। इसके चलते शिशुओं के दिव्यांग पैदा होने की घटनाएं सामने आई हैं। उन्नाव जनपद में गंगा कटरी में आबाद एक

दर्जन गांवों में दर्जनों कैंसर रोगी हैं। जब यह पता चला कि कैंसर ग्रस्त अधिकांश लोग तम्बाकू सेवन या धूम्रपान करते ही नहीं हैं तो तीन साल पहले राज्य सरकार ने अध्ययन कराया। मालूम हुआ कि कैंसर फैलने का असल कारण भूजल में क्रोमियम है। गंगा की समस्या केवल जल-मल या रसायन के मिलने से पानी की गुणवत्ता गिरना मात्र नहीं है- जलवायु परिवर्तन के दौर में अनियमित बरसात, जंगल कटाई व शहरीकरण के कारण यह बार-बार रास्ता बदल रही है। इसके तटों पर कटाव बढ़ा है, इसकी जैविक संपदा समाप्त हो रही है। गंगा के किनारे खेतों में अधिक अन्न उगाने का चस्का लगा है और इसके लिए जहरीले रसायन को धरती में झोंका जाता है। अनुमान है कि नदी तट के करीब हर साल सौ लाख टन उर्वरकों का इस्तेमाल होता है, जिसमें से पांच लाख टन बहकर गंगा में मिल जाता है। 1500 टन कीटनाशक भी मिलता है। सैकड़ों टन रसायन, कारखानों, कपड़ा मिलों, डिस्टलरियों, चमड़ा उद्योग, बूचड़खाने, अस्पताल और सैकड़ों अन्य फैक्टरियों का निकला उपद्रव्य गंगा में मिलता है। 400 करोड़ लीटर अशोधित अपद्रव्य, 900 करोड़ अशोधित गंदा पानी गंगा में मिल जाता है। नगरों और मानवीय क्रियाकलापों से निकली गंदगी नहाने-धोने, पूजा सामग्री, मूर्ति विसर्जन और दाह-संस्कार से निकला प्रदूषण गंगा में समा जाता है। गंगा में उद्योगों से 80 प्रतिशत, नगरों से 15 प्रतिशत तथा आबादी, पर्यटन तथा धार्मिक कर्मकांड से 5 प्रतिशत प्रदूषण होता है। आबादी की बाढ़ के साथ, पर्यटन, नगरीकरण और उद्योगों के विकास ने प्रदूषण के स्तर को आठ गुना बढ़ाया है।

चिंतन-मनन

जाल हैं राग और द्वेष

परमानंद को समझा नहीं जा सकता और उसे पाना भी अत्यंत कठिन है। कई जीवन कालों के बाद परमानंद की प्राप्ति होती है और एक बार पाने पर इसे खोना तो और भी कठिन है। जीवन में तुम्हें तलाश है केवल परमानंद की- अपने स्रेत के साथ तुम्हारा दिव्य मिलन और संसार में बाकी सबकुछ तुम्हें इस लक्ष्य की प्राप्ति से विचलित करता है। असंख्य कारण विभिन्न तरीकों से तुम्हें उस लक्ष्य से विमुख करते हैं; लाख बहाने जो न समझे जा सकते हैं न बताए जा सकते हैं तुम्हें घर नहीं पहुंचने देते। राग और द्वेष से मन चंचल रहता है। केवल जब मन शांत होता है तब परमानंद उदित होता है। परमानंद वास है दिव्यता का सभी देवों का। केवल मानव शरीर में ही इसे पाया जा सकता है अनुभव किया जा सकता है। एक बार मानव जीवन पाकर तथा इस मार्ग पर आकर भी यदि तुम्हें यह समझ में नहीं आता तो तुम बड़े नुकसान में हो। राग और द्वेष तुम्हारे हृदय को कठोर बनाते हैं। यदि हृदय में रूखापन है तो केवल व्यवहार में विनम्रता होने से कोई लाभ नहीं। संसार को यह परवाह नहीं कि तुम अंदर से कैसे हो। संसार केवल तुम्हारा बाहरी व्यवहार देखता है। परंतु ईश्वर को यह परवाह नहीं कि तुम बाहर से कैसे हो- वे केवल तुम्हारे अंदर देखते हैं। थोड़ा-सा भी राग या द्वेष का अंश कभी भी अपने दिल में मत बसाओ। इसे तो गुलाब के फूल की तरह रहने दो- ताजा कोमल और सुगंधित। यह कैसा भ्रम है- तुम किसी व्यक्ति या वस्तु को नापसंद करते हो और यह तुम्हारे हृदय को कठोर बनाता है। और इस कठोरता को निर्मल होने में बहुत समय लगता है। राग और द्वेष ऐसे जाल हैं जो तुम्हें अनमोल खजाने से दूर रखते हैं। इस भौतिक संसार में कोई भी चीज तुम्हें तृप्ति नहीं दे सकती। बाहरी दुनिया में संतुष्टि खोजने वाला मन अधिक अतृप्त हो जाता है और यह अतृप्ति बढ़ती ही जाती है; शिकायतें तथा नकारात्मक स्वभाव दिमाग को कठोर बनाने लगते हैं सजगता को ढक देते हैं और पूरे वातावरण में नकारात्मकता का विष फैला देते हैं। जब नकारात्मकता शिखर छूती है एक अत्यधिक फूले हुए गुब्बारे की तरह फूट जाती है और फिर से दिव्यता में आ जाती है।

टाटा कंज्यूमर ने जोकेल्स के 23 प्रतिशत अतिरिक्त शेयर खरीदे

मुंबई । रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने 43.65 करोड़ रुपए में एक अनुषंगी कंपनी के जरिये दक्षिण अफ्रीका स्थित जोकेल्स टी पैकर्स के 23.3 प्रतिशत अतिरिक्त शेयर हासिल किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी एक सूचना में कहा कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ओवरसीज होल्डिंग्स लिमिटेड (टीसीपी ओवरसीज) ने टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स यूके ग्रुप के जरिये दक्षिण अफ्रीका के अपने संयुक्त उद्यम भागीदारों से जोकेल्स टी पैकर्स की शेयर पूंजी का 23.3 प्रतिशत खरीदने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि यह सौदा शेयरधारक करार और शेयर खरीद समझौते की शर्तों के अनुरूप है। इसे टीसीपी ओवरसीज जोकेल्स और संयुक्त उद्यम भागीदारों ने अंतिम रूप दिया है। टाटा समूह की एफएमसीजी इकाई ने हिस्सेदारी के अधिग्रहण की लागत पर कहा कि यह सौदा 43.65 करोड़ रुपये और समायोजित राशि पर हुआ है। इस अधिग्रहण से जोकेल्स में टीसीपी ओवरसीज की हिस्सेदारी 51.7 प्रतिशत से बढ़कर 75 प्रतिशत हो गई है। शेष 25 प्रतिशत हिस्सेदारी संयुक्त उद्यम भागीदारों के पास है।

आरबीआई ने मुद्रास्फीति को काबू में लाने तत्परता से कदम उठाये हैं: रिपोर्ट

-अमेरिकी डॉलर में मजबूती से आयात महंगा होने से भी बढ़ती है मुद्रास्फीति

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि देश की खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी से लगातार संतोषजनक सीमा से ऊपर रहने के बाद अब नरम हुई है और इसे काबू में लाने के लिए जिस तत्परता से कदम उठाये गए हैं उससे इसके और नीचे आने की उम्मीद है। साथ ही इससे महंगाई को लेकर जो आशंकाएं हैं उस पर भी लगाम लगेगी। वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था प्रतिकूल वैश्विक हालात का सामना कर रही है। लेकिन मजबूत वृहत आर्थिक बुनियाद और वित्तीय एवं गैर-वित्तीय क्षेत्र के मजबूत बही-खाते के चलते वित्तीय प्रणाली बेहतर स्थिति में है। इसमें कहा गया है कि हालांकि मुद्रास्फीति ऊंची बनी हुई है लेकिन तेजी से उठाये गए मौद्रिक नीति कदम और आपूर्ति के स्तर पर हस्तक्षेप से अब इसमें नरमी आ रही है। आरबीआई ने कहा कि अमेरिकी डॉलर में मजबूती से आयात महंगा होने के कारण भी मुद्रास्फीति बढ़ती है। इससे खासकर उन जिंसों के दाम बढ़ते हैं जिन वस्तुओं का आयात डॉलर में किया जाता है। रुपए की विनिमय दर में गिरावट से स्थानीय मुद्रा में जिंसों के दाम में तेजी अभी भी बनी हुई है और कई अर्थव्यवस्थाओं में यह औसतन पिछले पांच साल के मुकाबले ऊंची बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार गरीब अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह दोहरा झटका है। इससे एक तरफ जहां जिंसों के दाम बढ़ते हैं वहीं दूसरी तरफ इससे मानवीय संकट भी पैदा होता है। घरेलू वित्तीय स्थिति के बारे में आरबीआई ने कहा कि मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अनुसार संतोषजनक दायरे में लाने के लिए मौद्रिक नीति को सख्त किया गया है। आरबीआई को मुद्रास्फीति दो से छह प्रतिशत के बीच रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। केंद्रीय बैंक द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। खुदरा मुद्रास्फीति इस साल जनवरी से संतोषजनक स्तर की उच्च सीमा यानी छह प्रतिशत से ऊपर बने रहने के बाद नवंबर में नरम होकर 5.88 प्रतिशत पर आई है।

शेयर बाजार अंतिम दिन गिरावट पर बंद हुआ

मुम्बई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 293 अंकों की कमी के साथ 60840.74 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 86 अंक नीचे आकर 18105 पर बंद हुआ। आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सेंसेक्स आज सुबह 195 अंकों के उछाल के साथ ही 61329 पर खुला वहीं निफ्टी 68 अंक ऊपर आकर 18259 पर खुला। निवेशकों ने आज साल के आखिरी सत्र की शुरुआत में जमकर खरीददारी की पर कुछ समय बाद ही इसमें गिरावट आने लगी। थोड़ी देर बाद ही निवेशक पीछे हट गये। बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों वाले इंडेक्स में आज ज्यादातर स्टॉक नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान हैवीवेट शेयरों में जमकर बिकवाली हुई। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 शेयरों में बढ़त रही जबकि 18 नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए है. सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से आईसीआईसीआई बैंक भारती एयरटेल एचडीएफसी आईटीसी नेस्ले लार्सन एंड टुब्रो एशियन पेंट्स महिंद्रा एंड महिंद्रा पावरग्रिड और इंडसइंड बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व टाइटन बजाज फाइनेंस टाटा स्टील टाटा मोटर्स विप्रो कोटक महिंद्रा बैंक टेक महिंद्रा रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर बढ़त

हासिल करने में सफल रहे। एशिया के अन्य बाजारों में टोक्यो शंघाई और हांगकांग के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं यूरोप के शेयर बाजार शुरुआती कारोबार में गिरावट पर रहे जबकि गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। साल 31 दिसंबर 2021 को स्टॉक मार्केट 58253.82 अंकों पर बंद हुआ था। वहीं आज सेंसेक्स 293 अंकों की कमी के साथ 60840.74 अंकों पर बंद हुआ। एक साल में बाजार ने 2586.92 अंकों की तेजी दर्ज की।

16.36 लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ी 2022 में इक्विटी निवेशकों की संपत्ति

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

शेयर बाजारों के निवेशकों की संपत्ति इस साल 16.36 लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ी है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति की चिंताओं के बावजूद शेयर बाजार नई ऊंचाई पर पहुंच गया। विश्लेषकों ने कहा कि बेहतर व्यापक आर्थिक बुनियाद खुदरा निवेशकों का विश्वास और 2022 के अंतिम महीनों में विदेशी निवेशकों की वापसी के चलते घरेलू इक्विटी में तेजी आई। इस वजह से दुनिया भर के कई अन्य शेयर बाजारों की तुलना में भारतीय बाजार का प्रदर्शन बेहतर रहा। साल के शुरुआती दौर में रूस-यूक्रेन युद्ध से बाजारों को झटका लगा था। रूस ने जब 24 फरवरी को यूक्रेन पर अपना हमला शुरू किया तो 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2702.15 अंक या 4.72 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज करते हुए 54529.91 अंक पर बंद हुआ। बाद के महीनों में प्रमुख सूचकांक ने खोई हुई जमीन को पुनः प्राप्त किया और इस वर्ष 29 दिसंबर तक 2880.06 अंक या 4.94 प्रतिशत चढ़ गया।

आईओएस 16 पर उपयोगकर्ताओं को अपने आईफोन के सिस्टम फॉन्ट को बदलने की अनुमति देगा नया टूल

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

एक सॉफ्टवेयर डेवलपर द्वारा बनाया गया एक नया टूल एप्पल यूजर्स को अपने आईफोन को आईओएस 16 पर अपने आईफोन के सिस्टम फॉन्ट को बदलने की अनुमति देगा।मैकरियूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ वर्षो में, एप्पल ने अनुकूलन के स्तर में वृद्धि की है, आईफोन यूजर्स के पास पहुंच है, लेकिन एक चीज जो वे नहीं बदल सकते हैं वह आईफोन का सिस्टम-वाइड फॉन्ट है। डेवलपर झुओवेई झांग ने एक ऐसा टूल बनाया है जो आईओएस 16 के पिछले वर्जन्स में सुरक्षा खामियों का फायदा उठाकर आईफोन के सिस्टम-वाइड फॉन्ट को बदल देता है। रिपोर्ट के अनुसार, टूल का उपयोग करने और आईफोन के सिस्टम-वाइड फॉन्ट को बदलने के लिए, इसे आईओएस 16.1.2 या इससे पहले चलना चाहिए, क्योंकि झांग ने आईओएस 16.2 में सुरक्षा खामी का इस्तेमाल किया था। इसके अलावा, यह जांचने के लिए कि आपका आईफोन किस वर्जन पर चल रहा है, सेटिंग्स पर जाएं फिर जनरल और फिर देखें कि आईओएस वर्जन के रूप में क्या सूचीबद्ध है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले सप्ताहांत, एप्पल ने आईओएस 16.1.2 पर साइनिंग करना बंद कर दिया, जिसका अर्थ है कि यदि उपयोगकर्ता आईओएस 16.2 चला रहे हैं, तो वे डाउनग्रेड नहीं कर पाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह टूल गिटहब पर आईपीए फाइल के रूप में उपलब्ध है और उपयोगकर्ताओं को कॉमिक सैंस एमएस, फिरा संस और देजावु संस मोनो जैसे कई फोंट से चुनने का फीचर देता है।

2023 में सैटेलाइट कॉलिंग वाले स्मार्ट फोन

5 जी के कारण भी नए स्मार्ट फोन बाजार में

नई दिल्ली । (एजेंसी)

2023 मे नए साल की शुरुआत के साथ स्मार्ट फोन बाजार में भारी गहमागहमी देखी जा रही है. भारत में 5जी की शुरुआत होने जा रही है. इसके लिए स्मार्टफोन में बदलाव और नए फोन को लेकर तरह-तरह के मॉडल बाजार में उपलब्ध होने वाले हैं.इसके साथ ही सेटेलाइट कॉलिंग फैसिलिटी वाले मोबाइल फोन भी वर्ष 2023 में बड़ी संख्या में बाजार में उपलब्ध होंगे. बाजार से प्राप्त जानकारी के अनुसार नए फीचर वाले स्मार्टफोन में सेटेलाइट कॉलिंग सुविधा होगी. वहीं मात्र 9 मिनट में इन्हें चार्ज किया जा सकेगा.20000 से कम के दाम में एलसीडी एमोलेड डिस्प्ले के स्थान पर अब ओएलईडी डिस्प्ले वाले मोबाइल फोन बाजार में उपलब्ध होंगे. इसमें क्वालिटी और शार्पनेस दोनों अधिक होंगी. एंड्राइड 14 ऑपरेटिंग सिस्टम पर आधारित फोन फरवरी माह में लांच होने की संभावना जताई गई है.यह फोन हमेशा इंटरनेट के साथ कनेक्टेड रहेगा. मार्केट में सेटेलाइट सपोर्ट के नए एंड्रॉयड फोन मार्केट में आने जा रहे हैं.इस फोन में सेटेलाइट कॉलिंग की सुविधा भी होगी. गूगल स्मार्टफोन कंपनियों के साथ भागीदारी करके इसे मार्केट में ला रही है. जो नए मोबाइल फोन बाजार में आ रहे हैं. उसमें 9 मिनट के अंदर मोबाइल फोन को फुल चार्ज करने की क्षमता होगी. जो नए मोबाइल फोन 2023 में लांच होने जा रहे हैं.उसमें पेरिस्कोप कैमरा होगा. यह ऑप्टिकल जूम फोटो के लिए फोकल लेंथ बढ़ा देते हैं. कुछ फोन के फीचर में 4 से 9 गुना ऑप्टिकल जूम फैसिलिटी उपलब्ध होगी. ऐसे फीचर वाले मोबाइल फोन मे डीएसएलआर कैमरे होते हैं. जो फोटो की बढ़िया क्वालिटी देते हैं.

माधुरी जैन ग्रोवर ने 1.15 करोड़ रुपये का एडवांस टैक्स चुकाया, गोल्डन दुबई वीजा पर अभी भी बनी हुई हैं हाउसवाइफ

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारतपे के पूर्व सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक अश्नीर ग्रोवर ने हाल ही में कहा था कि उनकी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर ने अग्रिम कर के रूप में 1.15 करोड़ रुपये जमा किए। हालाँकि, भारतपे में उनके कार्यकाल के दौरान जारी किए गए उनके गोल्डन दुबई वीजा पर, उनके व्यवसाय को हाउस वाइफ के रूप में लिखा गया है।माधुरी जैन ग्रोवर का गोल्डन दुबई वीजा, सितंबर 2021 में जारी किया गया और आईएएनएस द्वारा देखा गया, माधुरी ग्रोवर सुरेश जैन (जैन माधुरी के पिता हैं) के नाम पर हाउस वाइफ के रूप में उनके व्यवसाय का स्पष्ट उल्लेख है। वीजा जारी करने के वक्त माधुरी जैन भारतपे में हेड ऑफ कंट्रोल के तौर पर काम कर रही थीं। वह 2000 से एक उद्यमी हैं और 2018 में भारतपे में शामिल होने से पहले उन्होंने वर्षो तक वरिष्ठ फैशन डिजाइनर के रूप में काम किया। भारतपे में, उन्होंने मानव संसाधन, वित्त और अन्य आंतरिक संचालन का प्रबंधन किया। अब सवाल उठता है कि उन्होंने गोल्डन दुबई कार्ड पर हाउस वाइफ कहलाना क्यों पसंद किया? 10 साल का गोल्डन दुबई वीजा एक लॉन्ग-टर्म रेसिडेंस वीजा है जो लोगों को विशेष लाभों का आनंद लेते हुए संयुक्त अरब अमीरात में रहने, काम करने या अध्ययन करने में सक्षम बनाता है। 15 दिसंबर को अशनीर ने ट्वीट किया था कि मेरी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर ने अभी-अभी 1.15 करोड़ रुपये का एडवांस टैक्स जमा किया है। उन्होंने कहा था, वह कई वर्षो से भारत की सबसे अधिक व्यक्तिगत महिला कर दाताओं में से एक रही हैं। आपको लगता है कि कितने वीसी भागीदारों ने भारत में अधिक कर का भुगतान किया है? कई नहीं- उनमें से अधिकांश सिंगापुर/दुबई में शून्य

कर का भुगतान करते हैं। इस महीने की शुरुआत में, भारतपे ने कंपनी के धन की भारी हेराफेरी को लेकर अशनीर, माधुरी जैन और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ आपराधिक और नागरिक कार्यवाही शुरू की थी। कंपनी ने ग्रोवर्स से 18 प्रतिशत ब्याज के साथ 88.6 करोड़ रुपये का कंपनी फंड चुकाने को कहा है, जिसे उन्होंने कथित तौर पर फर्जी बिल बनाने, वेंडर भुगतान और व्यक्तिगत उपयोग जैसे विभिन्न तरीकों से ठग लिया।

अनाम ट्विटर यूजर ने 3कॉमस एपीआई कुंजियां लीक कीं

सैन फ्रांसिस्को। एक अनाम ट्विटर उपयोगकर्ता ने क्रिप्टो ट्रेडिंग सेवा, 3कॉमस के उपयोगकर्ताओं से संबंधित लगभग 1,00,000 एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) कुंजियां प्राप्त की हैं।कॉयनडेस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, लीकर द्वारा 10,000 से अधिक कुंजियां जारी की गईं, बाकी आने वाले दिनों में यादृच्छिक रूप से फुल [एसआईसी] प्रकाशित की जाएंगी। गुरुवार को एक ट्वीट में 3कॉमस के सीईओ यूरी सोरोकिन ने लीक की प्रामाणिकता की पुष्टि की और कहा, एक तत्काल कार्रवाई के रूप में, हमने कहा है कि बाइनेंस, कूकॉइन और अन्य समर्थित एक्सचेंज 3कॉमस से जुड़ी सभी [एपीआई] कुंजियों को रद्द कर दें। सोरोकिन ने यह भी उल्लेख किया कि उन्होंने और उनकी कंपनी ने एक इंसाइड जॉब की जांच करने के लिए वह सब कुछ किया जो हम कर सकते थे, क्योंकि यह हमेशा एक संभावित परिदृश्य था और हमारी निगरानी सूची में था, लेकिन इंसाइड जॉब का सबूत नहीं मिला। रिपोर्ट के अनुसार, यह लीक दर्जनों 3कॉमस उपयोगकर्ताओं द्वारा किए गए दावों का अनुसरण करता है कि उनकी एपीआई कुंजियों का उपयोग उनकी सहमति के बिना बाइनेंस, कूकॉयन और कॉयनबेस जैसे एक्सचेंजों पर ट्रेड करने के लिए किया गया था। हालांकि, 3कॉमस द्वारा अपना बयान देने से पहले, बाइनेंस के सीईओ चांगपेंग झाओ ने यूजर्स को चेतावनी दी थी कि यदि आपने कभी 3कॉमस (किसी भी एक्सचेंज से) में एपीआई कुंजी डाली है, तो कृपया इसे तुरंत अक्षम करें।

अशनीर ने सिकोइया कैपिटल इंडिया पर साधा निशाना, जिलिंगो की बर्खास्त सीईओ अंकिति की दुर्दशा के बारे में बताया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारतपे के पूर्व सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक अश्नीर ग्रोवर ने शुक्रवार को सिंगापुर के स्टार्टअप जिलिंगो की पूर्व सीईओ अंकिती बोस का बचाव करते हुए शीर्ष वीसी फर्म सिकोइया कैपिटल इंडिया पर निशाना साधा, जिन्हें इस साल की शुरुआत में वित्तीय अनियमितताओं के कारण बर्खास्त कर दिया गया था।ट्वीट्स की एक सीरीज में, ग्रोवर ने अंकिती और ग्रोवर के बीच एक छोटी ऑडियो बातचीत पोस्ट की, जहां उन्हें सिंगापुर स्थित फैशन-टेक स्टार्टअप जिलिंगो और धोखाधड़ी के आरोपों पर 220 पेज की रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए सुना जा सकता है, जिसे कभी सार्वजनिक नहीं किया गया था। सिकोइया कैपिटल इंडिया ने भारतपे और जिलिंगो दोनों का समर्थन किया। इस साल मार्च में जिलिंगो ने कथित वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतों पर 30 वर्षीय सीईओ अंकिति को निलंबित कर दिया था। स्टार्टअप ने टेमासेक होल्डिंग्स पीटीई और सिकोइया कैपिटल इंडिया सहित शीर्ष निवेशकों से 300 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए थे। एक स्वतंत्र फोरेंसिक फर्म के नेतृत्व में एक जांच के बाद, स्टार्टअप ने अंकिति के रोजगार को समाप्त करने का फैसला किया। 31 मार्च को अपने निलंबन के बाद, 11 अप्रैल को अंकिति ने पहली बार बोर्ड के ध्यान में पिछली समयावधि से संबंधित कुछ उत्पीड़न-संबंधी मुद्दों को लाया, जिसमें निवेशकों या उनके नामितों के खिलाफ उत्पीड़न की कोई शिकायत शामिल नहीं थी। अंकिति द्वारा बोर्ड के नोटिस में लाए गए उत्पीड़न के दावों को देखने के लिए एक शीर्ष परामर्श फर्म को नियुक्त किया गया था। जिलिंगो के अनुसार, जांच से यह निष्कर्ष निकला कि कंपनी ने उचित कार्रवाई की और इन शिकायतों को दूर करने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया, जो उनके संज्ञान में लाई गईं। मीडिया रिपोर्टें के विपरीत, जिसमें सुझाव दिया गया है कि अंकिति के निलंबन और जांच का उद्देश्य उक्त उत्पीड़न दावे को दबाना था। कंपनी ने कहा था कि जिस तरह से बोर्ड, निवेशकों और कर्मचारियों पर लगातार लीक और फर्जी सूचनाओं के माध्यम से हमला किया जा रहा है, उसे देखकर कंपनी को गहरा दुख और निराशा हुई है।

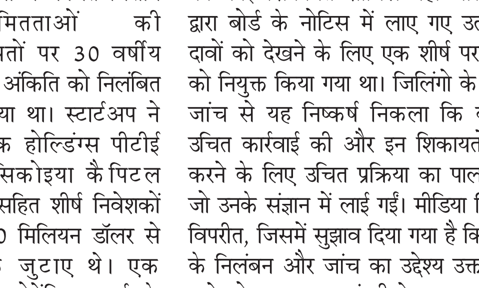

माइक्रोसॉफ्ट ने 2022 के अपने सर्वश्रेष्ठ एक्सबॉक्स गेम का खुलासा किया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

जैसा कि 2022 समाप्त हो रहा है, माइक्रोसॉफ्ट ने शुक्रवार को 2022 के अपने सर्वश्रेष्ठ एक्सबॉक्स गेम का खुलासा किया है।वर्ष के रेसिंग गेम से शुरू करते हुए, फोर्जा होराइजन 5 हॉट व्हील्स के लेटेस्ट एडिशन को विशेष रूप से एक्सबॉक्स सीरीज एक्स/एस के लिए बढ़ाया गया है।

फोटोरियलिस्टिक ग्राफिक्स, ऑथेंटिक साउंड, एक जीवन जैसा वातावरण और अत्यधिक विवरण के साथ, यह अगली-पीढ़ी के गेमिंग के लिए टोन सेट करता है। अगली पंक्ति में सी ऑफ थीव्स है, जो गेमर्स को खुले समुद्र में साथी शिपयार्ड के साथ समुद्री डाकू के रूप में जाने देता है, जो द्वीपों को लूटता है, एक विशाल क्रैकेन से निपटता है और अन्य जहाजों को डूबता है। नए क्रिएटर्स, लोकेशन्स और सरप्राइजेस के साथ, यह गेमर्स की क्रिएटिव स्किल्स का परीक्षण करता है। हॉरर, एक्शन और पावर से भरपूर गियर्स 5 गेमर्स को एक त्वरित पुनः लोड की संतुष्टि देता है, साथ ही मनोरम कहानी, शूटिंग यांत्रिकी और उत्कृष्ट ग्राफिक्स गेम को बढ़त देते हैं। थर्ड-पर्सन शूटर गेम फ्रैंचाइजी में छठी एंट्री है और वार 4 के गियर्स की सीधी अगली कड़ी है, जो गठबंधन की आदेशित सरकार (सीओजी) की दुश्मन सेना के खिलाफ लड़ाई की कहानी जारी रखती है। अंत में, एक मर्डर मिस्ट्री गेम, पेंटिमेंट, मिडीवल आर्ट से प्रेरित है और एक बेजोड़ कथा बुनता है, खिलाड़ियों को 16वीं शताब्दी के इटली में एक धर्मपरायण धर्मशास्त्री से लेकर विद्रोही गुंडे तक किसी भी चीज में अपने चरित्र को आकार देने देता है।

कंपनी ने कहा कि इतिहास में गहराई से गोता लगाने वाले इस खेल में युगों से आकर्षण और अपील है।

सेबी: मुंबई के कई आईटी डिफॉल्टर संदिग्ध चॉल से संचालित!

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक चौंकाने वाले खुलासे में पाया है कि कई लापता इनकम टैक्स डिफॉल्टर्स मुंबई के संदिग्ध चॉल से काम कर रहे थे।नई घोषणा में सेबी ने अनट्रेसेबल डिफॉल्टर्स की एक ब्लैक-लिस्ट प्रकाशित की है, जिनमें से कुछ 2014 से लापता हैं, इसलिए यह उन्हें नोटिस ऑफ डिमांड देने में असमर्थ है। सेबी के कुछ लिस्टर्स टेनेमेंट से काम कर रहे हैं- बोरीवली पूर्व में दिलखुश चॉल नंबर 3 से प्रकाश गौरीशंकर जोशी अगस्त 2018 से लापता, सांताक्रूज पश्चिम में एच -19 रामजी गुप्ता चॉल के अशोक भगत जून 2014 से लापता हैं। महेश मिस्त्री भी हैं जिनका पता अंधेरी पूर्व में नंबर 1 मनराज ड्राइवर चॉल में है, और मरीन लाइन्स, फोर्ट, विले पार्ले और ठाणे में अन्य पतों पर जुलाई 2014, अगस्त 2018 और मई 2019 के बाद से नोटिसों के लिए उपलब्ध नहीं हैं।एक जयेश शाह ने 82, बोरीवली पूर्व में किशन चॉल, अंधेरी पश्चिम में क्रिस्टल प्लाजा में व्यावसायिक परिसर, ठाणे के भायंदर शहर में इमारत का पता दिया है, लेकिन चूंकि उनका पता नहीं चल रहा है, इसलिए जुलाई 2014 और दिसंबर 2017 के उनके डिमांड नोटिस की तामील नहीं की जा सकी। सेबी के मुताबिक, पटेल बिल्डिंग का विनोद पटेल दिसंबर 2017 से लापता है, मुंबई के नायगांव के किना दिलीप मेवाड़ा का अगस्त 2018 से कोई पता नहीं चल रहा है। सूची में भायंदर पूर्व में जैन नगर के सुनील डी. इंगवाले भी हैं, जो अगस्त 2018 से उपलब्ध नहीं हैं, पंकज सरैया अंधेरी पश्चिम और विले पार्ले पश्चिम के पते के साथ, जून 2021 से लापता हो गए और सबसे हालिया कफ परेड के हुसैन सताफ, जिनका मार्च 2022 से पता नहीं चल रहा है।

ये डिफॉल्टर्स- जिन्हें बकाया राशि की अनिर्दिष्ट राशि चुकानी पड़ती है- बाजार नियामक के पास उपलब्ध एक या एक से अधिक पतों से पिछले आठ साल से आठ महीने के बीच गायब हैं। अनट्रेसेबल डिफॉल्टर्स को स्वीकार करते हुए, सेबी ने कहा कि वह उनके अंतिम ज्ञात पते पर मांगों के नोटिस भेजने में सक्षम नहीं है सेबी की रिकवरी अधिकारी सुचिस्मिता साहू ने इन अनट्रेसेबल नौ डिफॉल्टर्स को 14 जनवरी, 2023 तक पत्र या ईमेल भेजने के लिए कहा है, फिर से कोई टेलीफोन या व्हाट्सएप नंबर प्रदान नहीं किया गया है। कुछ दिनों पहले, सेबी ने मुंबई और आस-पास की नौ कंपनियों की एक सूची प्रकाशित की थी, जो दो साल से अधिक समय से अनट्रेसेबल हैं।

अमित शाह ने मेगा डेयरी का किया उद्घाटन, नंदिनी व अमूल ब्रांडों के बीच सहयोग पर की बात

मांड्या।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कर्नाटक के मांड्या जिले में 260 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मेगा डेयरी का उद्घाटन किया।उद्घाटन के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर अमूल और नंदिनी मिलकर काम करें तो तीन साल में हर गांव के स्तर पर प्राइमरी डेयरियां होंगी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) को अमूल से सभी तकनीकी सहायता और सहयोग मिलेगा, उन्होंने कहा कि अगर कर्नाटक और गुजरात इस दिशा में एक साथ आते हैं, तो इससे पूरे देश के किसानों को लाभ होगा। केंद्रीय मंत्री ने मांड्या के मंच से देश के किसानों और सहकारी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार उनके साथ धोखा या अन्याय नहीं होने देगी। उन्होंने कहा, यह भारत सरकार का फैसला है। आजादी के बाद भारतीय किसानों ने सहकारिता क्षेत्र के लिए एक अलग मंत्रालय की मांग की थी। अगर किसी ने इसे कृषि मंत्रालय से अलग कर दिया होता तो आज किसानों की किस्मत कुछ और होती। शाह ने बताया कि आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मांग को पूरा किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सहकारी और डेयरी क्षेत्रों में सबसे आगे है। राज्य ने एक लंबा सफर तय किया और 1975 से 2022 तक अच्छी प्रगति की। 1975 में, कर्नाटक ने 66,000 किलो दूध का कारोबार किया और अब यह 82 लाख किलो दूध का कारोबार कर रहा है। उन्होंने कहा कि फेडरेशन का सालाना कारोबार 25,000 करोड़ रुपये है और करीब 80 फीसदी पैसा किसानों के पास जाता है।

रणजी ट्रॉफी में धर्मेंद्रसिंह के शानदार प्रदर्शन से सौराष्ट्र ने मुम्बई को हराया

मुबंई । सौराष्ट्र ने धर्मेंद्रसिंह जडेजा के शानदार प्रदर्शन से रणजी ट्राफी के ग्रुप बी मुकाबले में मुम्बई को 48 रनों से हरा दिया। इस मैच में सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुये अपनी पहली पारी में 289 रन बनाए जिसके जवाब में मुबंई की टीम पहली पारी में 230 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार सौराष्ट्र को पहली पारी के आधार पर 59 रनों की बढ़त मिली। इसके बाद सौराष्ट्र ने दूसरी पारी में 220 रन बनाये और मुम्बई को जीत के लिए 280 रनों का विजय लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए मुम्बई की टीम दूसरी पारी में 231 रनों पर ही सिमट गयी। इस मैच के बाद मुबंई के तीन मैचों में दो जीत साथ ही 13 अंक है और वह अभी भी अंकतालिका में पहले स्थान पर है वहीं सौराष्ट्र पहले दो मैच ड्रॉ होने के कारण केवल एक जीत के साथ ही 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। इस मैच में धर्मेंद्रसिंह ने पहली पारी में 24 रन बनाने के साथ ही चार अहम विकेट भी लिए। वहीं दूसरी पारी में धर्मेंद्रसिंह ने ने 90 रन बनाने के साथ ही दो विकेट भी लिए। जडेजा के अलावा प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने वाले युवराज सिंह डोडिया ने भी पहली और दूसरी पारी में चार-चार विकेट लिए। मुम्बई की ओर से सूर्यकुमार यादव ने पहली पारी में 95 और दूसरी पारी में 38 रन बनाए पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।

इंडिया ओपन ड्रॉ: एक्सेलसन, मोमोता और शी यू क्की के साथ क्वार्टर ऑफ डेथ में दिखेंगे श्रीकांत, लक्ष्य सेन और प्रणय

नई दिल्ली. (एजेंसी)

भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों को योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2023 में एक कठिन ड्रॉ दिया गया है। तीनों पुरुष खिलाड़ियों को एक क्वार्टर में एक साथ रखा गया है जबकि पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु का सामना शुरूआती दौर के मुकाबले में अंतिम संस्करण की सेमीफाइनल की अपनी प्रतिद्वंद्वी सुपनिदा केटेथोंग से होगा, जिससे वह हार गई थीं। एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीरीज के हिस्से के रूप में मशहूर योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन को इस साल सुपर 750 श्रेणी में अपग्रेड किया गया है। अपग्रेडेशन का मतलब है कि विश्व बैडमिंटन के लगभग सभी शीर्ष सितारे 17-22 जनवरी, 2023 तक इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर के केडी जाधव इंडोर हॉल में एक्शन में होंगे, जो रोमांच से भरपूर होगा। भारत की खिताबी जीत की उम्मीद किदाम्बी श्रीकांत, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन की तिकड़ी पर टिकी हुई है, लेकिन ड्रॉ के भाग्य का मतलब है कि उनमें से केवल एक क्वार्टर से अंतिम आठ की बाधा को पार कर सकता है। इस सूची में मौजूदा विश्व और ओलंपिक चैंपियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन, चीन के शि यू क्की और जापान के केंटो मोमोता भी शामिल हैं। डिफेंडिंग चैंपियन सेन अपने अभियान की शुरूआत हमवतन प्रणय के खिलाफ खेलते हुए करेंगे और उनके मैच के विजेता के मोमोता से भिड़ने की संभावना है, जो इस साल फॉर्म के लिए संघर्ष करने के बाद 2023 में पहली बार मैदान पर उतर रहे हैं। जाहिर है, मोमोता को फार्म की तलाश होगी और इस कारण वह अपना श्रेष्ठ खेल दिखाने का प्रयास करेंगे। पूर्व चैम्पियन श्रीकांत को शी के खिलाफ होने वाले संभावित मुकाबले से पहले शुरूआती दौर में शीर्ष वरीय एक्सेलसन की चुनौती से पार पाना होगा। शी ने करीब 10 महीने तक मैदान से बाहर रहने के बाद मजबूत वापसी की है और ऐसे में उन्हें हराना आसान नहीं होगा। अन्य तीन क्वार्टर में से कोई भी इतने मजबूत स्टार नहीं हैं, लेकिन आगे देखने के लिए कुछ ऐसे मुकाबले होंगे, जिनका फैंस को बेसब्री से इंतजार होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन यू पहले दौर में तेजी से उभरते जापानी कोडाइ नारोका से भिड़ेंगे जबकि छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग का सामना चीन के लू गुआंग जू से होगा। महिलाओं के एकल वर्ग में, जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा और स्पेन की कैरोलिना मारिन का सामना शुरूआती दौर में होगा। दोनों 2022 में चोटों से परेशान थीं और इंडिया ओपन 2023 में गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के तौर पर अपनी चुनौती पेश करेंगी। शीर्ष वरीय जापान की अकाने यामागुची अपने अभियान की शुरूआत स्पेन की क्लारा अजुरमेंडी के खिलाफ खेलते हुए करेंगी जबकि ओलंपिक चैंपियन और चीन की तीसरी वरीय चेन यू फेई पहले दौर में कनाडा की मिशेल ली से भिड़ेंगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम नए सीजन से पहले बेंगलुरु में नेशनल कैंप में लौटी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

2023 में आगे कुछ प्रमुख टूर्नामेंटों के साथ, भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले वर्ष में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर, आयोजनों की तैयारी शुरू करने के लिए नेशनल कैंप में वापस आने के लिए तैयार है। हाल ही में स्पेन में एफआईएच महिला राष्ट्र कप 2022 के पहले सीजन को जीतने और 2023-24 एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग के लिए क्वालीफाई करने के बाद टीम आत्मविश्वास से भरी है। इस बारे में हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में सूचित किया। हॉकी इंडिया ने 33 खिलाड़ियों को 2 जनवरी से 13 जनवरी तक होने वाले राष्ट्रीय शिविर के लिए कोर संभावित समूह के रूप में नामित किया है, जब खिलाड़ी जनवरी से शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के साथ अपनी रणनीतियों और संयोजन को और बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगी। दौरा 14 जनवरी से शुरू होकर 28 जनवरी तक चलेगा। राष्ट्रीय शिविर के लिए कोर ग्रुप में अनुभवी गोलकीपर सविता, रजनी एतिमारपु, बिचू देवी खारिबाम और बंसारी सोलंकी शामिल हैं। शिविर के लिए नामित डिफेंडरों में दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकले, उदिता, रीत और महिमा चौधरी शामिल हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम ने वालेंसिया में एफआईएच महिला राष्ट्र कप 2022 के फाइनल में स्पेन को हराया था। टूर्नामेंट के बाद एक छोटे से ब्रेक पर थीं, इससे पहले कि वे बैंगलोर में साई के नेशनल कैंप में लौटीं। राष्ट्रीय शिविर के लिए कोर ग्रुप में अनुभवी गोलकीपर सविता, रजनी एतिमारपु, बिचू देवी खारिबाम और बंसारी सोलंकी शामिल हैं। शिविर के लिए नामित डिफेंडरों में दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकले, उदिता, रीत और महिमा चौधरी शामिल हैं।

स्टोक्स, बेयरस्टो, ख्वाजा और रबाडा आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामांकित

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, मध्यक्रम के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो, आस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को शुक्रवार को आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर आफ द ईयर 2022 पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। स्टोक्स ने मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ मिलकर 2022 में इंग्लिश टेस्ट क्रिकेट की किस्मत बदल दी है। वे जीत के लिए संघर्ष कर रहे थे और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका के बॉटम पर, स्टोक्स ने एक अंग्रेजी टीम को संभाला जो आत्मविश्वास की कमी से जूझ रही थी। उनके प्रेरणादायक नेतृत्व ने अब एक भरोसेमंद और आक्रामक इकाई का निर्माण किया है जिसने 2022 में अपने कार्यकाल के दौरान 10 में से नौ टेस्ट मैच जीते हैं। स्टोक्स ने बार-बार खिलाड़ियों से विफलता के डर को दूर करने के बारे में कहा है और यह क्रिकेट के अति-आक्रामक ब्रांड में परिलक्षित होता है जो इंग्लैंड उनके अधीन खेलता है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर टीम का नेतृत्व किया है, उनका बल्ले और गेंद दोनों के साथ एक अच्छा वर्ष रहा है। उन्होंने 870 रन, दो शतक और चार अर्धशतक बनाए हैं और 31.19 की औसत से 26 विकेट भी लिए हैं। बेयरस्टो यकीनन मैकुलम और स्टोक्स के इंग्लैंड की टेस्ट टीम का नेतृत्व संभालने के सबसे बड़े खिलाड़ी रहे हैं। अपने आक्रामक खेल को खेलने की स्वतंत्रता को देखते हुए, यह बेयरस्टो के टेस्ट करियर के सबसे फलदायी वर्षों में से एक था, जिससे खेल के सबसे लंबे प्रारूप के मामले में कुछ हद तक पुनरुत्थान हुआ।

स्मृति मंधाना आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामांकित

नई दिल्ली, (एजेंसी)

भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना को शुक्रवार को आईसीसी महिला क्रिकेटर आफ द ईयर अवार्ड 2022 के लिए नामांकित किया गया। स्मृति को 2018 और 2021 में महिला क्रिकेटर आफ द ईयर का पुरस्कार जीतने के लिए राचेल हीहो-फ्लिंट ट्रॉफी से सम्मानित किया गया था।

उनके अलावा इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी आलराउंडर नट साइवर, न्यूजीलैंड की लेग स्पिन आलराउंडर अमेलिया केर और आस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी को इस साल सम्मान के लिए नामित किया गया है। स्मृति ने दूसरे वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी, सभी प्रारूपों में भारत की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं। बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज ने सफेद गेंद के प्रारूप में अपना अविश्वसनीय कौशल दिखाया और 2022 में भारत के लिए टी20 (594 रन) में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली और वनडे (696 रन) में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं। स्मृति ने इस साल दोनों बड़े टूर्नामेंट- महिला वनडे वर्ल्ड कप और कॉमनवेल्थ गेम्स में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बाद में, वह राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में फाइनल तक जाने और रजत पदक जीतने वाली भारत की शानदार खिलाड़ियों में से एक थीं। नट ने 2022 में इंग्लैंड के लिए सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस वर्ष टेस्ट में शीर्ष स्कोरर के रूप में और वनडे मैचों में दूसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने वनडे क्रिकेट में धमाल कर दिया। 59.50 के औसत और 91.43 की स्ट्राइक रेट से 833 रन बनाए और वनडे विश्व कप 2022 के फाइनल में इंग्लैंड की यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, क्योंकि टूर्नामेट में आठ मैचों में 436 रन बनाने वाले खिलाड़ी बनीं। नट ने यह भी दिखाया कि वह दो मैचों में 242 रन बनाकर लंबे प्रारूप में क्या करने में सक्षम है। उन्होंने जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 169 रन बनाकर अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने 2022 में सभी प्रारूपों में 22 विकेट हासिल करने के साथ-साथ गेंद से भी योगदान दिया। 2022 को उस वर्ष के रूप में याद किया जाएगा जब अमेलिया एक आलराउंडर के रूप में बेहतरीन खिलाड़ी साबित हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

फुटबॉल के दिग्गज पेले के निधन पर पीएम मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिग्गज फुटबॉलर और तीन बार के विश्व कप विजेता पेले के निधन पर शोक जताया है, जिनका कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद गुरुवार को अस्पताल में निधन हो गया था। वह 82 वर्ष के थे। मोदी ने ट्वीट किया, पेले का निधन खेल की दुनिया में एक अपूरणीय क्षति है। एक वैश्विक फुटबॉल सुपरस्टार, उनकी लोकप्रियता सीमाओं को पार करती है। उनका शानदार खेल प्रदर्शन और सफलता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना।

टेस्ट टीम में अनुभवहीनता हारने की वजह : तेम्बा बावुमा

नई दिल्ली।

दक्षिण अफ्रीका के मध्य क्रम के बल्लेबाज तेम्बा बावुमा ने स्वीकार किया है कि टेस्ट टीम में अनुभवहीनता हाल के दिनों में उनके संघर्ष के कारणों में से एक रही है, जिसके परिणामस्वरूप अब आस्ट्रेलिया से उन्हें तीन मैचों की श्रृंखला हारनी पड़ी है। एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट में, दक्षिण अफ्रीका को आस्ट्रेलियाई टीम द्वारा एक पारी और 182 रन से हराया गया था। यह 2005/06 के बाद पहली बार हुआ जब प्रोटियाज ने देश में एक टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती। अगस्त-सितंबर में इंग्लैंड से 1-2 की हार के बाद यह दक्षिण अफ्रीका की लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज हार है। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू क्रिकेट ढांचा भी सवालों के घेरे में आ गया है, क्योंकि पुनर्गठित प्रणाली का मतलब है कि खिलाड़ी पिछले लेआउट के अनुसार दस के बजाय सात प्रथम श्रेणी मैच खेलेंगे। लेकिन बावुमा ने इस पर ज्यादा टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा, मैंने उन लोगों के तर्क सुने हैं जो हमारी घरेलू प्रणाली को देख रहे हैं और पूछ रहे हैं कि क्या यह वास्तव में लोगों को इस स्तर के लिए जिम्मेदार ठहराना चाहिए। मुझे यकीन है कि खिलाड़ियों को अनुभवहीन समझेंगे। फ्रेंचाइजी क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बीच एक बड़ा अंतर है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने बावुमा के हवाले से कहा, मैं वास्तव में यहां बैठकर हमारे सिस्टम पर काम नहीं कर सकता। मैं भी उस प्रणाली का हिस्सा हूं, इसलिए यह ऐसी चीज नहीं है जिसके प्रति मैं अलग जवाब दूं। लेकिन टीम के भीतर अनुभवहीनता, यह वास्तव में दिख रहा है। टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका की विफलताओं का एक प्रमुख कारण उनकी बल्लेबाजी विभाग से बड़े स्कोर की कमी रही है। बावुमा ने जनवरी 2016 में अपने पहले शतक के बाद प्रारूप में अभी तक तीन अंकों का स्कोर दर्ज नहीं किया है। बल्लेबाज 4 जनवरी से शुरू हो रहे सिडनी टेस्ट के दौरान ऐसा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसकी टीम को जरूरत है। दो खिलाड़ियों को बड़े शतक बनाने होंगे और वास्तव में गेंदबाजों को खुलकर गेंदबाजी करने के लिए कुछ देना होगा। टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका की विफलताओं का एक प्रमुख कारण उनकी बल्लेबाजी विभाग से बड़े स्कोर की कमी रही है। बावुमा ने जनवरी 2016 में अपने पहले शतक के बाद प्रारूप में अभी तक तीन अंकों का स्कोर दर्ज नहीं किया है। बल्लेबाज 4 जनवरी से शुरू हो रहे सिडनी टेस्ट के दौरान ऐसा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

पेले के निधन पर बाईचुंग भूटिया ने श्रृद्धांजलि देकर कहा वह वाकई किंग थे

सचिन तेंदुलकर ने पेले के निधन को खेल जगत के लिए बड़ा नुकसान

कोलकाता । (एजेंसी)

ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले के निधन पर क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर से लेकर फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया तक सभी ने श्रृद्धांजलि दी है। तीन विश्व कप जीतने वाले एकमात्र फुटबॉल खिलाड़ी पेले का कैंसर से लंबे समय तक जूझने के बाद 82 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। भूटिया को 2018 में पेले की भारत यात्रा के दौरान उनका इंटरव्यू करने का मौका मिला था। उन्होंने कहा मुझे दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान उनका इंटरव्यू करने का मौका मिला था। वह इतने शानदार और विनम्र व्यक्ति थे । मैने करीब 40 मिनट तक उनसे बात की । उन्होंने कहा''बातचीत फुटबॉल पर उनके जीवन और कुछ भारतीय फुटबॉल पर थी। वह काफी मजाकिया भी थे। मैंने इंटरव्यू के दौरान उनसे पिछले भारत दौरे के बारे में पूछा लेकिन उन्हें याद नहीं था कि किस शहर में उन्होंने खेला और मैच का नतीजा क्या था। शायद उम्र का असर था। उन्होंने कहा''वह वाकई किंग थे। हमारे लिये भगवान। वह इतने विनम्र और मृदुभाषी थे। फुटबॉल जगत के लिए उनका जाना बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने लाखों को प्रेरित किया । वह भारत का उनका आखिरी दौरा था जब वह दिल्ली में सुब्रोतो कप इंटर स्कूल फाइनल के लिए पहुंचे थे। भूटिया ने कहा''पहली बार वह आए तब फिट थे लेकिन दूसरी बार व्हीलचेयर पर आए थे । क्रिकेटर तेंदुलकर ने ट्वीट किया फुटबॉल ही नहीं बल्कि खेल जगत का बड़ा नुकसान। पेले जैसा कोई दूसरा नहीं होगा। रेस्ट इन पीस पेले । पेले के खिलाफ कोलकाता में खेल चुके भारत और मोहन बागान के पूर्व फॉरवर्ड श्याम थापा ने कहा''मैं बहुत दुखी हूं। मैं खुशकिस्मत हूं कि उनके साथ खेल सका।

उस शाम को मैं कभी नहीं भूल सकता। वह करिश्माई थे। सिर्फ पेले के साथ खेलने के लिये थापा ईस्ट बंगाल क्लब छोड़कर मोहन बागान से जुड़े थे। उनके पूर्व साथी खिलाड़ी प्रदीप चौधरी ने उस मैच को याद करते हुए कहा''तीन दिन तक बारिश हो रही थी और ईडन गार्डन गीला था। स्टेडियम के भीतर हालांकि 90000 प्रशंसक मौजूद थे। फुटबॉल की ऐसी दीवानगी पहले नहीं देखी थी।

ऋषभ पंत के माथे पर दो कट लगे, लेकिन खतरे से बाहर : बीसीसीआई

बीसीसीआई के मानद सचिव जय शाह ने कहा कि भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के दाहिने घुटने, पीठ समेत कई जगह पर चोट लगने के अलावा उनके माथे पर दो कट लगे हैं। बीसीसीआई ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान जारी किया। शुक्रवार सुबह 25 वर्षीय पंत की कार दिल्ली-देहरादून राजमार्ग पर सड़क डिवाइडर से टकरा गयी और उसमें आग लग गयी। उन्हें देहरादून में मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। पंत रूड़की में अपने घर लौट रहे थे। शाह ने ट्वीट किया, मेरी प्रार्थनाएं पंत के साथ हैं जो अपनी चोट से उबरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मैंने उनके परिवार और उनका इलाज कर रहे डाक्टरों से बात की है। ऋषभ स्थिर हैं और स्कैन से गुजर रहे हैं। हम उन पर नजदीकी नजर रखे हुए हैं और उन्हें हरसंभव मदद उपलब्ध कराएंगे। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, हम अस्पताल के संपर्क में हैं और उन्होंने बताया है कि ऋषभ की प्रगति अच्छी चल रही है। हम उनके परिवार को सभी जरूरी मदद उपलब्ध कराएंगे। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष वीवीएस लक्ष्मण ने ट्वीट कर कहा, शुक्र है कि वह खतरे से बाहर हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। पंत की आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच रिकी पोंटिंग ने पंत के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

पेले के निधन पर ओबामा ने कहा, उन्होंने लोगों को साथ लाने के लिए खेल की शक्ति को समझा

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ब्राजील के साओ पाउलो में किंग पेले के निधन पर शोक जताया। ओबामा ने ट्विटर पर फुटबाल दिग्गज के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा, पेले सुंदर खेल खेलने वाले महानतम खिलाड़ियों में से एक थे। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार और उन सभी के साथ हैं जो उन्हें प्यार करते थे और उनकी प्रशंसा करते थे। हालांकि, सबसे शानदार श्रृद्धांजलि इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर गैरी लाइनकर की ओर से आई, जो अपने समय में गोल्डन बूट विजेता थे और अब बीबीसी के प्रेजेंटर हैं। ओबामा ने ट्विटर पर फुटबाल दिग्गज के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा, पेले सुंदर खेल खेलने वाले महानतम खिलाड़ियों में से एक थे। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार और उन सभी के साथ हैं जो उन्हें प्यार करते थे और उनकी प्रशंसा करते थे।

रोनाल्डो ने पेले के निधन पर कहा, सिर्फ अलविदा काफी नहीं

एम्बाप्पे ने किया ट्वीट, रिप किंग

(एजेंसी)

फुटबॉल के सबसे महान खिलाड़ी एडसन अरांतेस डो नैसिमेंटो उर्फ पेले (82) ने कैंसर से लंबी लड़ाई हारने के बाद गुरुवार को साओ पाउलो अस्पताल में अंतिम सांस ली। तीन बार के विश्व कप विजेता का सितंबर 2021 में एक ट्यूमर हटा दिया गया था और न तो उनके परिवार और न ही डॉक्टरों ने यह निर्दिष्ट किया था कि यह अन्य अंगों में फैल गया है या नहीं। वह हाल ही में किडनी और कार्डियक डिसफंक्शन से संबंधित एलिवेटेड केयर में थे। पुर्तगाल के महान फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेले के निधन की खबर सार्वजनिक होने के तुरंत बाद ब्लैक पर्ल को भावभीनी श्रृद्धांजलि दी। रोनाल्डो ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, पूरे ब्राजील और विशेष रूप से एडसन अरांतेस के परिवार के लिए मेरी गहरी संवेदनाएं। राजा पेले को एक मात्र अलविदा कभी भी उस दर्द को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा जिसमें पूरा फुटबॉल जगत इस समय डूब गया है। उन्होंने आगे कहा, इतने लाखों लोगों के लिए एक प्रेरणा, कल, आज और हमेशा के लिए एक संदर्भ। जो प्यार आपने हमेशा मुझे दिखाया, वह हर पल में पारस्परिक रूप से साझा किया गया था, यहां तक कि दूरी से भी साझा किया गया था। हम फुटबॉल प्रेमी हैं। शांति से रहें। फ्रांस के विश्व कप विजेता और पीएसजी फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे ने ट्विटर पर कहा, फुटबॉल के राजा ने हमें छोड़ दिया है, लेकिन उनकी विरासत को कभी नहीं भुलाया जाएगा। रिप किंग। इंग्लैंड के पूर्व स्ट्राइकर ज्योफ हर्स्ट ने 1966 के विश्व कप के फाइनल में हैट्रिक बनाकर अपनी टीम को पश्चिम जर्मनी पर 4-2 से जीत दिलाई थी। उन्होंने कहा, मेरे पास पेले की बहुत सारी यादें हैं, निस्संदेह वह सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर हैं जिनके खिलाफ मैं खेला हूं। मेरे लिए पेले सर्वकालिक महान हैं और मुझे उनके साथ मैदान पर होने पर गर्व था। फ्रांस के विश्व कप विजेता और पीएसजी फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे ने ट्विटर पर कहा, फुटबॉल के राजा ने हमें छोड़ दिया है, लेकिन उनकी विरासत को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

डेविड वार्नर का भारत दौरे पर अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अब अगले साल भारत के दौरे में अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं, जिन्होंने एमसीजी में अपने 100वें टेस्ट मैच में शानदार दोहरा शतक लगाया था और दक्षिण अफ्रीका पर 182 रन की जीत दर्ज की थी। वार्नर ने जनवरी 2020 से एक भी टेस्ट शतक नहीं बनाया था और मौजूदा घरेलू सीजन में उन्होंने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एमसीजी टेस्ट तक छह पारियों में 5, 48, 21, 28, 0 और 3 का स्कोर बनाया था, जिसके बाद उन्होंने मेलबर्न में 255 गेंदों में एक शानदार दोहरा शतक बनाया जिससे ऑस्ट्रेलिया को मैच के साथ श्रृंखला जीतने में मदद मिली। इसके बाद, आस्ट्रेलिया का अगला टेस्ट असाइनमेंट बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के हिस्से के रूप में चार टेस्ट के लिए भारत का दौरा होगा, जिसमें वार्नर सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। टेस्ट दौरे के लिए तीन बार देश का दौरा कर चुके हैं और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एक दशक से अधिक समय तक खेल चुके हैं। उन्होंने कहा, यह दिलचस्प होने जा रहा है। हम जानते हैं कि हम किस चीज के लिए तैयार होने जा रहे हैं, वे टर्निंग विकेट बनाने वाले हैं। ऐसा समय आने वाला है जब हम चुनौतियों का सामना करेंगे, लेकिन यह इस बारे में है कि हमारे बल्लेबाज कैसा प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि गेंद के साथ, हम एक शानदार काम करने जा रहे हैं। हमें नाथन लियोन के रूप में एक विश्व स्तरीय स्पिनर मिला है और हमें संभावित रूप से दो स्पिनरों को खेलाने के बारे में सोचना होगा। बल्लेबाजी समूह के रूप में हमारे लिए इससे निपटने के लिए एक रास्ता और एक तरीका खोजना होगा जैसा हमने पाकिस्तान में किया था। इस बारे में शुक्रवार को क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू द्वारा कहा गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मशरूम की खेती

मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।

मशरूम उत्पादन तकनीकी

पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरुम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्रोरोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) : 150-180 डिग्री से; नमी: 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत: 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

ऑएस्टर मशरूम

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ :- प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्रोरोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा।

कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूडा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रेटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूडा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अत:, इन सबस्ट्रट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्ग100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठयमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत: सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

प्रणाली

छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत: सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत: दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्ग2.5ङ्ग2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन: स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूंकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओयेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को डिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलीबैग में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरांत मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरहवां भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुन: जलित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) : यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

नियंत्रण : फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीट

मक्खियां : देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण : फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कुटकी : ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण : घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोंघा : ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण : क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

अन्य कीटाणु

5.कृन्तक : कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम हाउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण : मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकडों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत: जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

कोरोना के बीच इस घातक बीमारी ने दी दस्तक ईटिंग अमीबा से फैलती

सोल । दुनिया के कई देश जहां फिर से कोरोना से जूझ रहे हैं वहीं दक्षिण कोरिया में एक नई बीमारी ने दस्तक दी है। यह नई बीमारी गंभीर चिंता का कारण बन गई है। दरअसल इस बीमारी में अमीबा दिमाग में घुसकर इसको खा जाता है। एक व्यक्ति की प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस बीमारी की वजह से मौत हुई है जो नेग्लरिया फाउलेरी नामक ब्रेन-ईटिंग अमीबा की वजह से फैलती है। इस अमीबा का वैज्ञानिक नाम नेग्लरिया फाउलेरी है। इससे पूरे साउथ कोरिया में लोगों के बीच डर फैल गया है। हालांकि यह नई बीमारी नहीं है 50 के दशक में पहला शख्स इसका शिकार हुआ था। वहीं हाल ही में दक्षिण कोरिया के जिस शख्स की मौत हुई है वो कई महीने थाईलैंड रहकर देश में लौटा था। 10 दिसंबर में उसकी मौत हुई। यह बीमारी ब्रेन ईटिंग अमीबा की वजह से होती है जो मिट्टी के अलावा झीलों नदियों और झरनों जैसे गर्म मीठे पानी के स्रोतों में पाया जाता है। यह पानी के जरिए व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर सकता है।

आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में तीन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में कम से कम तीन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। सेना के एक बयान में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, प्रांत के कुर्रम जिले में पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें दो आतंकवादी भी मारे गए। इन सैनिकों की पहचान सूबेदार शुजा मुहम्मद (43), खुजदार नाइक मुहम्मद रमजान (32) और सुक्कुर सिपाही अब्दुल रहमान (30) के रूप में हुई है। बयान में कहा गया है कि दोनों तरफ से मुठभेड़ तब हुई जब सैनिकों ने अफगान सीमा के पास एक पूर्व आतंकवादी गढ़ में एक ठिकाने पर छापा मारा। बयान में कहा गया कि क्षेत्र से आतंकवादियों को खत्म करने के लिए छापेमारी की गई। बयान के अनुसार, ''पाकिस्तानी सेना आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है और हमारे बहादुर सैनिकों के ऐसे बलिदान हमारे संकल्प को और मजबूत करते हैं।'' यह घटना देश भर में आतंकवादी हमलों में वृद्धि के बीच हुई है, जिनमें ज्यादातर घटनाओं में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने अपना हाथ होने का दावा किया था। पिछले हफ्ते, एक पाकिस्तानी तालिबान लड़ाके ने इस्लामाबाद में एक कार बम विस्फोट किया था और वह कुर्रम से था। हमले का दावा अलकायदा के करीबी माने जाने वाले टीटीपी ने किया था, जो अफगान तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद फिर से सक्रिय हो गया है।

बुफालो में बर्फीले तूफान में लापता लोगों की तलाश तेज

बुफालो। अमेरिका में बर्फीले तूफान से तबाह हुए बुफालो में बृहस्पतिवार को सड़कें यातायात के लिए खोल दी गईं। हालांकि, अधिकारी लगातार उन लोगों की तलाश में जुटे हैं, जो पिछले सप्ताह आए बर्फीले तूफान के बाद से लापता हैं। न्यूयॉर्क के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले शहर के महापौर बायरन ब्राउन ने घोषणा की कि बृहस्पतिवार मध्य रात्रि के बाद से वाहन चलाने पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया। पश्चिम न्यूयॉर्क में कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है और इनमें से अधिकतर बुफालो से हैं। ब्राउन ने बुधवार देर रात को संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''बर्फ हटाने के काम में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उपनगरीय सड़कें, प्रमुख राजमार्ग और बुफालो नियागरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहले ही खोले जा चुके हैं।'' हालांकि, ब्राउन ने निवासियों से अभी भी बिना किसी जरूरी काम के सड़क पर वाहन लेकर निकलने से बचने का अनुरोध किया है। नेशनल गार्ड बुफालो में घर-घर जाकर लोगों की जरूरतों का पता लगा रहे हैं, जहां तूफान के कारण घरों में बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई है। मौसम खुलने के साथ बर्फ के पिघलने पर पीड़ितों के मिलने की संभावना को देखते हुए अधिकारी उनकी तलाश में जुटे हैं। बुफालो पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी भी पीड़ितों की तलाश में जुटे हैं। एरी काउंटी के कार्यकारी मार्क पोलोनकार्ज ने बृहस्पतिवार को तूफान के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कुछ पीड़ितों की अब भी पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा, ''समुदाय में ऐसे परिवार हैं, जो अब तक अपने लापता प्रियजनों की तलाश कर रहे हैं।

दक्षिण चीन सागर के ऊपर अमेरिकी विमान के सामने आया चीनी विमान, दुर्घटना टली : अमेरिका

बीजिंग। अमेरिकी सेना ने कहा है कि चीनी नौसेना के लड़ाकू विमान ने इस महीने दक्षिण चीन सागर पर अमेरिकी वायुसेना के एक टोही विमान के पास खतरनाक तरीके से उड़ान भरी थी, लेकिन अमेरिकी पायलट ने अपनी कुशलता से दोनों विमान को भिड़ने से बचा लिया। अमेरिकी सेना की हिंद-प्रशांत कमान ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा घटना 21 दिसंबर को हुई थी, जब चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का जे-11 विमान अमेरिकी वायुसेना द्वारा संचालित विशाल टोही विमान आरसी-135 के सामने छह मीटर की दूरी से गुजर गया। बयान में कहा गया है कि अमेरिकी विमान 'कानून के अनुसार अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में दक्षिण चीन सागर पर नियमित अभियान पर था।' इसके मुताबिक, अमेरिकी विमान के पायलट ने अपनी कुशलता के जरिये दोनों विमान को भिड़ने से बचा लिया। चीन दक्षिण चीन सागर को अपना क्षेत्र बताता है और उसमें उड़ान भरने वाले अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के विमानों का पीछा भी करता है। हिंद-प्रशांत कमान ने अपने बयान में कहा, 'अमेरिकी हिंद-प्रशांत संयुक्त बल एक मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर प्रतिबद्ध है। वह अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सभी जहाजों और विमानों की सुरक्षा के लिए उचित सम्मान के साथ अंतरराष्ट्रीय समुद्री और हवाई क्षेत्र में उड़ान भरना एवं जहाज भेजना जारी रखेगा।

कोसोवो ने सर्बिया से लगती अपनी सीमा फिर खोली

कोसोवो ने सर्बिया जाने की मुख्य सीमा चौकी को बृहस्पतिवार को फिर से खोल दिया। वहीं, सर्बिया के राष्ट्रपति एलेक्सेंदर वुसिक ने कहा कि उत्तरी कोसोवो में प्रवेश करने वाले एक दर्जन से अधिक रास्तों पर लगे अवरोधकों को भी हटाये जाएंगे। एलेक्सेंदर ने कहा कि सर्बियाई लोगों ने बृहस्पतिवार को अवरोधकों को हटाने का कार्य शुरू कर दिया। इससे कोसोवो और सर्बिया के बीच हफ्तों से चल रहे तनाव के कम होने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे बालकन देशों में नए सिरे से संघर्ष का खतरा पैदा हो गया था। कोसोवो ने मांग की थी कि नाटो नीत शांतिरक्षक अवरोधकों को हटाएं या ऐसा नहीं होने पर उसके सैनिक यह काम करेंगे। सर्बिया ने भी कोसोवा की सीमा पर अपने सैनिकों को युद्ध के लिए तैयार अवस्था में तैनात किया था और कोसोवो में रहने वाले सर्बियाई लोगों पर हमले रोकने की मांग की थी। वुसिक ने कहा कि सीमा पर से अवरोधक हटाने का समझौता देर रात दोनों देशों के नेताओं की हुई में बैठक में हुआ। गौरतलब है वर्ष 1998-99 में कोसोवे के अल्बानियाई नीत अलगाववादी विद्रोहियों ने युद्ध छेड़ा था और उस समय सर्बियाई लोगों के खिलाफ नृशंस कार्रवाई थी। उस दौरान सर्बिया उसका एक प्रांत था। वर्ष 1999 में नाटो के हस्तक्षेप से रक्तपात रूका और सर्बिया, कोसोवो से अलग हुआ।

कंबोडिया के होटल में लगी भीषण आग, कम से कम 19 लोगों की मौत

नामपेन्ह। कंबोडिया के एक कसीनो होटल में 12 घंटे से अधिक समय से लगी भीषण आग में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गयी है और 60 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अभी कई पीड़ितों का पता नहीं चल पाया है। पड़ोसी देश थाईलैंड ने सीमावर्ती क्षेत्र में आग बुझाने के लिए कई दमकल वाहनों को भेजा है। बंटये मीनचे प्रांत के सूचना विभाग के प्रमुख सेक सोकहोम ने बताया कि ऐसी आशंका है कि कई लोग मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं या बंद कमरों में फंसे हो सकते हैं जहां तक बचाव दल अभी नहीं पहुंच पाए हैं। इसे देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि 60 से अधिक लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों और घायलों में थाईलैंड, चीन, मलेशिया, वियतनाम और कंबोडिया समेत कई देशों के नागरिक शामिल हैं।

रमल्लाह में फतह मूवमेंट की 58 वीं बरसी पर एक रैली में भाग लेते हुए लोग।

इजरायल के पीएम के रूप में बेंजामिन नेतन्याहू ने छठी बार ली पद और गोपनीयता की शपथ

यरूशलम । बेंजामिन नेतन्याहू ने छठी बार इजराइल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। इजराइल में सबसे अधिक समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले 73 वर्षीय नेतन्याहू ने अपनी सरकार का गठन कर लिया है जिसमें कई धुर दक्षिणपंथी घटक दल शामिल हैं। नेतन्याहू को इजराइली संसद 'नेसेट' के 120 सदस्यों में से 63 का समर्थन प्राप्त है जो सभी दक्षिणपंथी हैं। सदन में नेतन्याहू के खिलाफ 54 सांसदों ने मतदान किया। उनको समर्थन करने वालों में उनकी लिकुद पार्टी के अलावा यूनाइटेड तोरा जुदैज्म दक्षिणपंथी ओत्ज्मा येहुदित रिलिजियस जियोनिस्ट पार्टी और नोआम शामिल हैं। अनेक लोगों ने आशंका जताई है कि नेतन्याहू के नेतृत्व में बने इस समीकरण से देश की आबादी के बड़े हिस्से की सरकार के साथ असहमति हो सकती है। इजराइल की 37वीं सरकार के विश्वासमत प्राप्त करने से महज कुछ समय पहले नेसेट ने लिकुद पार्टी के सांसद अमीर ओहाना को नया अध्यक्ष (स्पीकर) चुना। पिछली सरकारों में न्यायमंत्री और जन सुरक्षा मंत्री रह चुके ओहाना नेसेट के पहले घोषित समलैंगिक स्पीकर हैं। नयी सरकार के शपथ-ग्रहण से पहले नेसेट में अपने संबोधन में नेतन्याहू ने कहा कि उनकी सरकार के तीन 'राष्ट्रीय लक्ष्य' ईरान को परमाणु आयुधों की ओर बढ़ने से रोकना पूरे देश में बुलेट ट्रेन चलाना और अब्राहम समझौतों के दायरे में और अधिक अरब देशों को लाना हैं। नेतन्याहू के भाषण के दौरान विपक्षी सदस्य बार-बार टोका-टोकी कर रहे थे और उन्हें 'कमजोर' तथा 'नस्लवादी' कह रहे थे। हंगामे के बीच नेतन्याहू ने कहा मतदाताओं के जनादेश का सम्मान कीजिए।

जयशंकर ने साइप्रस में कोणार्क चक्र का दौरा किया दोनों देशों की गहरी मित्रता का प्रतीक बताया

निकोसिया (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर साइप्रस की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान 'कोणार्क चक्र' देखने गए जो दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता का प्रतीक है। जयशंकर 29 से 31 दिसंबर तक साइप्रस की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं।दोनों देश अपने राजनयिक संबंध स्थापित होने की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर बृहस्पतिवार को 'कोणार्क चक्र' देखने गए जिसे भारत ने वर्ष 2017 में साइप्रस को भेंट किया था।

जयशंकर ने ट्वीट किया, '' साइप्रस के विदेश मंत्री लोआनिस कासोउलिडेस और गृह मंत्री नोउरिस निकोस के साथ वहां के विदेश मंत्रालय में स्थापित कोणार्क चक्र देखा।'' उन्होंने कहा, '' वर्ष 2017 में भारत की ओर से भेंट किया गया, यह हमारे देशों के बीच मजबूत मित्रता का प्रतीक है।'' जयशंकर ने साइप्रस के अपने समकक्ष लोआनिस कासोउलिडेस के साथ सार्थक चर्चा करने के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''भारत साइप्रस मुद्दे के समाधान के तौर पर संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों पर आधारित द्वि-क्षेत्रीय संघ की ओर अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।''

वहीं, कासोउलिडेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और अंतरराष्ट्रीय कानून के संबंध में साइप्रस का एक व्यवहार्य तथा व्यापक समझौते पर पहुंचने का समर्थन करने के लिए भारत का आभार जताया था। उन्होंने कहा था, ''जैसा कि हमने भारत के मामले में देखा है, देश का विभाजन एक खतरनाक यात्रा की शुरुआत थी और निश्चित तौर पर अंत नहीं था इसलिए साइप्रस तथा उसके लोगों के लिए दो राज्य के समाधान को स्वीकार नहीं किया जा सकता।'' जयशंकर ने बृहस्पतिवार को साइप्रस की प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष अन्निता डेमेट्रियू से मुलाकात ''संसदीय परम्पराओं पर दिलचस्प बातचीत'' की थी। जयशंकर ने डेमेट्रियू के साथ महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने कहा था, ''शांति तथा सौहार्द का उनका सार्वभौमिक संदेश हम सभी का मार्गदर्शन कर रहा है।

म्यांमा में अदालत ने सू ची को भ्रष्टाचार के मामले में फिर दोषी करार दिया

बैंकॉक (एजेंसी) । सैन्य शासित म्यांमा की एक अदालत ने शुक्रवार को देश की अपदस्थ नेता आंग सान सू ची को उनके खिलाफ आपराधिक मामलों की कड़ी में भ्रष्टाचार के एक और मामले में दोषी ठहराया और सात साल जेल की सजा सुनाई। फरवरी 2021 में सेना द्वारा सू ची की निर्वाचित सरकार को गिराए जाने के बाद से उन पर कई राजनीतिक अभियोग लगाए गए और अब इस सजा के जुड़ने के साथ उन्हें कुल 33 वर्ष जेल में बिताने होंगे। उन्हें कई अन्य अपराधों के लिए भी दोषी ठहराया गया था, जिसमें उन्हें कुल 26 साल की कैद की सजा सुनाई जा चुकी है।

उनके समर्थकों और स्वतंत्र विश्लेषकों का कहना है कि उनके खिलाफ आरोपों उद्देश्य सत्ता को अपने अधिकार में लेने के सैन्य शासन के प्रयास को वैध बनाना और चुनाव से पहले उन्हें राजनीति से दूर रखना है। म्यांमा के सैन्य शासन ने अगले साल चुनाव कराने का वादा किया है। अधिकारियों द्वारा दंडित किए जाने के डर से नाम नहीं छापने के अनुरोध पर राजधानी के बाहरी इलाके में मुख्य जेल में विशेष रूप से बनाए गए अदालत कक्ष में शुक्रवार के फैसले से एक कानूनी अधिकारी ने अवगत कराया। मुकदमे को मीडिया, राजनयिकों और लोगों से दूर रखा गया था और सू ची के वकीलों को इस बारे में बात करने की मनाही थी।

तहरीक-ए-तालिबान और व्रिदोही बलूच संगठनों ने पाकिस्तानी सेना की नाक में दम किया

क्वेटा (एजेंसी)। पाकिस्तान में सुरक्षा बलों पर हो रहे हमलों में पिछले कुछ दिनों में तेजी आ गई है। पाकिस्तानी आर्मी के लिए बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वां में स्थिति को संभाल मुश्किल हो रहा है। यहां पर व्रिदोही बलूच संगठनों के अलावा तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) ने सेना की नाक में दम किया हुआ है। शाहबाज सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों में अब सेना और इसके जवानों को भी निशाना बनाया जाने लगा है। पिछले दिनों इसी तरह से बचूलिस्तान में सात ब्लास्ट्स हुए। इन ब्लास्ट्स में पाकिस्तानी आर्मी के छह सैनिकों की मौत हो गई थी। इसमें एक कैप्टन रैंक का ऑफिसर भी शामिल था। कम से कम 17 लोगों की भी जान इन हमलों में चली गई थी। हमले का जो वीडियो सामने आया है वह भी काफी डराने वाला है।

मीडिया के मुताबिक क्वेटा में जो चार ब्लास्ट्स हुए उसमें से एक काहान के कोहलू में हुआ। जबकि चौथा हमला तुरबत में हुआ था। इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस का कहना है कि काहन इलाके में एक आईईडी ब्लास्ट हुआ था। यह ब्लास्ट 24 दिसंबर को उस समय हुआ जब इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के आधार पर एक क्लीयरेंस ऑपरेशन चलाया जा रहा था। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि ब्लास्ट के बाद गाड़ी पर सवार जवानों के परखच्चे उड़ जाते हैं। बलूचिस्तान और खैबर में पाकिस्तानी सेना पर लगातार हमले हो रहे हैं। रविवार को अलग-अलग ग्रेनेड ब्लास्ट्स में कम से कम 15 लोग घायल हो गए।

बलूचिस्तान में पिछले कुछ समय से पाकिस्तानी आर्मी को निशाना बनाया जा रहा है। 25 दिसंबर को भी बलूचिस्तान के काहान इलाके में आईईडी ब्लास्ट हुआ था। सेना की मीडिया विंग के मुताबिक सुरक्षा बलों की गाड़ी जब गुजर रही थी तब आईईडी ब्लास्ट हुआ। कैप्टन फहाद लांस नायक इम्तियाज और सिपाही असगर और मेहरान और शमूम की इस ब्लास्ट में मौत हो गई। इसके अलावा आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच बलूचिस्तान के झोब जिले में मुठभेड़ हुई थी।

8 जनवरी से सभी यात्रा प्रतिबंध खत्म करेगा चीन फिर कोरोना विस्फोट की चपेट में आ सकती है दुनिया

बीजिंग (एजेंसी)। दो साल के बाद दुनिया जब कोरोना वायरस महामारी से राहत पाने लगी थी तो चीन के एक फैसले ने कोविड-19 के नए वैरियंट का खतरा बढ़ा दिया है। आठ जनवरी से चीन ने सभी यात्रा प्रतिबंधों को खत्म करने का फैसला कर लिया है। चीन के इस फैसले की वजह से विश्व में फिर से कोरोना विस्फोट हो सकता है।

जीरो कोविड चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सबसे सख्त नीति थी। तीन साल से जारी इस नीति के खिलाफ चीन में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों के बाद नीति को खत्म कर दिया गया है। अब नए साल पर चीनी नागरिक घूमने और अपने घर लौटने की तैयारी कर चुके हैं। साल 2023 की शुरुआत में करीब तीन अरब ट्रिप्स लेने की तैयारी है।

चीन में कोविड के केसेज तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बीच यूके की तरफ से भी चीन से आने वाले पर्यटकों पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी हो चुकी है। चीनी अधिकारियों ने रोजाना आने वाले केसेज के आंकड़ों को जारी करना बंद कर दिया है लेकिन माना जा रहा है कि रोज चीन में कोविड की वजह से 5000 लोगों की मौत हो रही है। अस्पतालों में जगह नहीं है और शवदाह गृह के बाहर लाशों का ढेर लगा हुआ है। चीन की अलग-अलग फैक्ट्रियों में काम कर रहे कर्मचारी इस बार नए साल के मौके पर अपने परिवार के पास जाने की तैयारी कर रहे हैं। चीनी नागरिक हर साल प्लेन ट्रेन जहाज और कारों से अपने घर के लिए सफर करते हैं। ये चीन के अलावा दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जाते हैं।

सात जनवरी से चीन से लोग निकलना शुरू करेंगे और इसे दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय अप्रवासन बताया जा रहा है। चीन के परिवहन मंत्रालय की तरफ से बताया जा रहा है कि कम से कम 40 दिनों तक यात्रा को लेकर मारामारी जारी रहने की आशंका है। माना जा रहा है कि इसके बाद यात्रा की स्थिति महामारी के पहले वाले स्तर पर लौट सकती है। साल 2020 में 21 जनवरी से एक मार्च तक करीब तीन अरब लोगों ने सफर किया था।

चीनी स्वास्थ्य अधिकारियों की मानें तो कोविड-19 का ओमीक्रॉन वैरियंट अभी तक प्रभावी बना हुआ है। वहीं वैज्ञानिकों को डर है कि जैसे ही चीनी नागरिक घूमने निकलेंगे हो सकता है कि कोविड का नया वैरियंट सामने आ जाए। चीन में काफी समय तक लॉकडाउन लगा था। इसका मतलब था कि बहुत ज्यादा चीनी नागरिक नए वैरियंट से संक्रमित नहीं हुए थे। वहीं इस वायरस से इम्युनिटी भी बहुत कम स्तर पर है। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी में क्लिनीकल एपिडेमियोलॉजी सेंटर के डायरेक्टर जियाद अल-अली की मानें तो चीनी नए साल पर कोविड केसेज का विस्फोट होने की आशंका है क्योंकि नए म्यूटेशन का खतरा बहुत ज्यादा है। चीनी नागरिक जापान थाइलैंड दक्षिण कोरिया अमेरिका ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया इन छुट्टियों पर जाने की तैयारियां कर रहे हैं।

यूक्रेन में जारी जंग के बीच बड़े पैमाने पर रूसी युद्ध अपराधों के प्रमाण मिले

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन में दस महीने से जारी युद्ध के बीच इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिले हैं कि रूसी सैनिकों ने युद्ध भूमि में आचरण और नागरिकों के साथ बर्ताव संबंधी अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए पूर्ण युद्ध छेड़ रखा है। यूक्रेन अभी रूस के संभावित युद्ध अपराधों के 58 हजार से अधिक मामलों की जांच कर रहा है, जिनमें हत्या, अपहरण, अंधाधुंध बमबारी और यौन हमलों से जुड़े मामले शामिल हैं। 'द एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) और 'फ्रंटलाइन' की रिपोर्ट में स्वतंत्र रूप से 600 से अधिक ऐसे मामलों की पहचान की गई है, जिनमें युद्ध कानूनों का उल्लंघन किए जाने के संकेत मिलते हैं। इनमें से कुछ मामले सैकड़ों नागरिकों का नरसंहार करने वाले हमलों से जुड़े हैं।

द हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में मुख्य अभियोजक करीम खान ने 'एपी' से कहा, 'यूक्रेन एक अपराध स्थल है।' उनकी यह टिप्पणी एक कड़वा सच है। प्राधिकारियों के पास यूक्रेन में बड़े पैमाने पर रूसी युद्ध अपराधों के प्रमाण हैं। हालांकि, निकट भविष्य में यूक्रेनी नागरिकों पर हमला करने वाले सैनिकों, उन्हें आदेश देने वाले सैन्य अधिकारियों और हमलों को मंजूरी प्रदान करने वाले राजनेताओं को गिरफ्तार करने की कोई संभावना नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसके पीछे कई वजहें हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी अधिकारी युद्ध क्षेत्र में पुख्ता सबूत जुटाने में काफी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

यही नहीं, कथित युद्ध अपराधों को अंजाम देने वाले ज्यादातर सैनिक यूक्रेनी अधिकारियों की गिरफ्त से बचने में सफल रहे हैं और अब रूसी सीमा में दाखिल हो चुके हैं। यहां तक कि सफल अभियोगों में भी न्याय सीमित रहा है। मिसाल के तौर पर 21 वर्षीय टैंक कमांडर वादिम शिशमारिन से जुड़ा मामला ले लें, जो युद्ध अपराधों के आरोपों का सामना करने वाला पहला रूसी सैनिक था। उसने इस साल मार्च में आत्मसमर्पण कर दिया था। मई में कीव की एक अदालत उसे 62 वर्षीय एक यूक्रेनी नागरिक को सिर में गोली मारने के जुर्म में दोषी करार दिया।

शिशमारिन को पहले उम्रकैद की सजा सुनाई गई, जिसे अपील के बाद घटाकर 15 साल के कारावास की सजा कर दिया गया। आलोचकों का कहना था कि शिशमारिन को सुनाई गई प्रारंभिक सजा अनुचित रूप से कठोर थी, यह देखते हुए कि उसने अपना अपराध कबूल किया था। उन्होंने तर्क दिया कि शिशमारिन आदेशों का पालन कर रहा था और उसने अपने किए पर पछतावा जाहिर किया था।

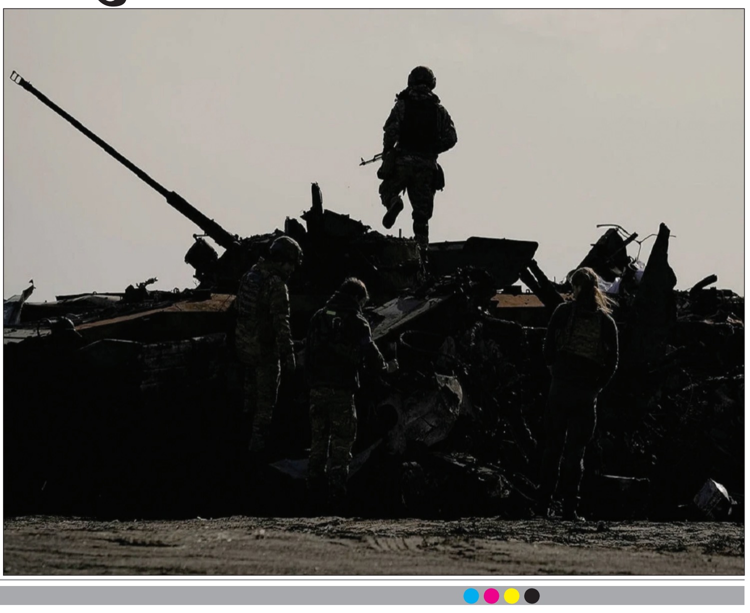

कर्नाटक में जबरन धर्मांतरण के प्रयास के सिलसिले में मामला दर्ज

बेंगलुरु । कर्नाटक पुलिस ने क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान बेंगलुरु में जबरन धर्मांतरण के प्रयास के सिलसिले में दो महिलाओं सहित तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि नेल्सन ने लोगों को क्रिसमस और नए साल के जश्न के लिए आमंत्रित कर धर्मांतरण का प्रयास किया। नेल्सन को दो महिलाओं द्वारा सहायता प्रदान की गई थी जो उनके घर मेहमान के रूप में आई थीं। एक स्थानीय निवासी कृष्णमूर्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि तीनों आरोपी लोगों का धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों को तलब कर पूछताछ की। आरोपियों ने पुलिस को बताया है कि उन्होंने धर्मांतरण की कोशिश नहीं की और उन्होंने सिर्फ ईसा मसीह के बारे में बात की। आरोपियों ने कहा कि धर्म परिवर्तन से उनका कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि शिकायतकर्ता ने कहा कि वह एक सिस्टमैटिक कन्वर्जन का प्रयास था और माइक्रोफोन का उपयोग भाषण देने और लोगों को परिवर्तित करने के लिए किया गया था।

गंगोत्री धाम में बर्फबारी शुरू उत्तर कश्मीर में पारा लुढ़का बर्फ की सफेद चादर में लिपटी घाटी

उत्तरकाशी । मैदानी इलाकों में जहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है वहीं पहाड़ों पर भी मौसम का मिजाज बदलने लगा है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी होने लगी है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में अब मौसम बदलने लगा है। गंगोत्री धाम में हल्की बर्फबारी शुरू हो गयी है। निचले क्षेत्रों में बादल छाए हुए हैं। गंगोत्री धाम में कड़ाके की ठंड के साथ अब बर्फबारी होने लगी है। गंगोत्री नेशनल पार्क से कई तस्वीरें सामने आई हैं जहां सुबह से बर्फबारी जारी है। वहीं कड़ाके की ठंड के बीच गंगोत्री नेशनल पार्क के कर्मचारी ड्यूटी पर डटे हुए हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि शाम तक इस पूरी घाटी में अच्छी बर्फबारी देखने को मिल सकती है। इसके अलावा भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छिटपुट इलाकों में कोहरा घना से बेहद घना होने की संभावना जताई है। वहीं बिहार और जम्मू के कुछ क्षेत्रों में घना कोहरा छाए रहने का पूर्वानुमान जताया है। वेस्ट राजस्थान हरियाणा दिल्ली उत्तराखंड पश्चिम बंगाल असम और त्रिपुरा के छिटपुट इलाकों में भी कोहरा की चादर छाए रहने का अनुमान जताया है। इतना ही नहीं घाटी में भी कड़ाके की ठंड और माइनस टेम्परेचर ने लोगों का खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। बारामूला के राफियाबाद में बर्फबारी की कुछ ऐसी तस्वीरें आ रही हैं। वहीं उत्तरी कश्मीर में भारी बर्फबारी हो रही है। घाटी में बर्फीली हवाओं शीतलहर और घने कोहरे से काफी परेशानी हो रही है। कश्मीर में हाड़ कंपा देने वाली ठंड ने गुरुवार को कुछ राहत जरूर दी थी। शुक्रवार को फिर हल्की बर्फबारी के बाद परेशानी बढ़ने लगी है। घाटी में पारा-2 डिग्री तक लुढ़क गया है। मौसम विभाग ने गुरुवार से दो दिनों तक हल्की से मध्यम बर्फबारी होने की संभावना जताई है।

थाई स्माइल फ्लाइट में हाथापाई करने वालों पर केस दर्ज : सिंधिया

नई दिल्ली । नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि थाई स्माइल एयरवेज के बैंकॉक-कोलकाता फ्लाइट में हाथापाई में शामिल लोगों के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज किया गया है। सिंधिया ने एक ट्वीट में कहा ?कि थाई स्माइल एयरवेज के विमान में सवार यात्रियों के बीच हाथापाई के मामले में शामिल लोगों के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज की गई है। ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है। मंत्री की यह टिप्पणी उड्डयन सुरक्षा निगरानी संस्था नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने संबंधित अधिकारियों से बैंकॉक में थाई स्माइल एयरवेज की बैंकॉक-कोलकाता उड़ान पर हुए हुए इन-फ्लाइट विवाद पर रिपोर्ट मांगी जाने के तुरंत बाद आई है। सूत्रों ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस घटना के एक वीडियो को गंभीरता से संज्ञान लेते हुए बीसीएएस ने मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। 26 दिसंबर को हुई इस घटना के वीडियो में दो यात्री आपस में झगड़ते दिख रहे हैं जबकि चालक दल के सदस्य और अन्य यात्री बीच-बचाव करने की कोशिश कर रहे थे। चालक दल के सदस्यों के बार-बार अनुरोध करने के बावजूद एक यात्री द्वारा सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करने से इनकार करने के बाद लड़ाई छिड़ गई जबकि विमान बैंकॉक से कोलकाता के रास्ते उड़ान भरने के लिए तैयार था।

सीबीआई करे लवासा प्रोजेक्ट में अनियमितता की जांच बांबे हाईकोर्ट में लगाई याचिका बढ़ सकती है पवार की मुश्कल

मुंबई । पुणे के महत्वाकांक्षी लवासा प्रोजेक्ट को लेकर शरद पवार लगातार विपक्षी दलों के निशाने पर रहे हैं। अब लवासा मामले में शरद पवार के खिलाफ बांबे हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। नासिक के नानासाहेब जाधव द्वारा दायर की गई जनहित याचिका में कहा गया है कि इस प्रोजेक्ट में शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले का निजी स्वार्थ शामिल है। याचिका के मुताबिक यह परियोजना पूरी तरह से कमर्शियल थी। बावजूद इसके महाराष्ट्र कृष्णा खोरे विकास निगम (एमकेवीडीसी) की सार्वजनिक जमीन को कौड़ियों के दाम पर तीस साल की लीज पर दिया गया। इस परियोजना के नाम पर कई अवैध काम भी किए गए। अब इस क्रिमिनल पीआईएल के जरिए याचिकाकर्ता ने मामले की सीबीआई जांच करवाने की मांग की है। इस क्रिमिनल पीआईएल के नए साल में सुनवाई के आसार हैं। यदि अदालत ने मामले की सीबीआई जांच के आदेश जारी कर दिए तो 82 साल की उम्र में शरद पवार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

कांग्रेस नेता ने स्मृति ईरानी को दिया राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का न्योता

अमेठी । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए स्थानीय कांग्रेस नेता ने अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी को पत्र भेज कर आमंत्रित किया है। कांग्रेस नेता दीपक सिंह ने अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी के सहायक निजी सचिव नरेश शर्मा को आमंत्रण पत्र सौंपा और भाजपा सांसद को भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया। पूर्व विधान परिषद सदस्य दीपक सिंह ने बताया कि मुझे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की तरफ से यह निर्देश दिया गया है कि आप सभी को भारत जोड़ो यात्रा में आमंत्रित कीजिए। मैंने सोचा कि सर्वप्रथम अमेठी सांसद स्मृति जुबिन ईरानी को आमंत्रण पत्र देना चाहिए। मैंने 28 दिसंबर को उनके कैंप कार्यालय गौरीगंज पहुंचकर नरेश शर्मा को आमंत्रण पत्र सौंपा। उन्होंने मेरा आमंत्रण पत्र स्वीकार किया है और कहा है कि मैं इसे सांसद तक पहुंचा दूंगा।

रूसी जोड़ी की मौत की जांच के लिए ओडिशा पुलिस ने एक और टीम बनाई

भुवनेश्वर । ओडिशा पुलिस की क्राइम ब्रांच ने रूस के सॉसेज टाइकून पावेल एंटोव और उनके दोस्त व्लादिमीर बिडेनोव की एक होटल में हुई रहस्यमय मौतों की आगे की जांच के लिए एक और टीम गठित की है और इसे रायगड़ा भेजा है। क्राइम ब्रांच ने एक बयान में कहा कि डीएसपी सरोजकांत महंतो के नेतृत्व में नई टीम को घटनास्थल का दौरा करने गवाहों की जांच करने मौके और स्थानीय पुलिस से सबूतों की पहचान करने और इकट्ठा करने और आगे की कार्रवाई करने का जिम्मा सौंपा गया है। क्राइम ब्रांच ने एंटोव समेत दो रूसी नागरिकों की अचानक एक ही होटल में दो दिनों के अंतराल में हुई मौतों पर उठ रहे सवालों के बीच टीम का गठन किया। ओडिशा पुलिस ने कथित तौर पर दोनों रूसियों के शवों को दफनाने के बजाय उनका अंतिम संस्कार किया। हैरानी की बात यह है कि एंटोव के विसरा के नमूने संरक्षित नहीं किए गए। ओडिशा पुलिस की इस कार्रवाई ने कई लोगों की भौंहें चढ़ा दी हैं। रायगड़ा के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी (सीडीएमओ) लालमोहन राउत्रे का कहना है ?कि बिडेनोव के विसरा के नमूनों को परीक्षण के लिए संरक्षित कर लिया गया है जबकि एंटोव के नमूने नहीं रखे गए थे। विसरा में यकृत हृदय प्लीहा फेफड़े और गुर्दे के नमूने शामिल होते हैं जिन्हें फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेजा जाता

राजनाथ सिंह ने शिवगिरी तीर्थ का उद्घाटन किया, विकास के लिए 70 करोड़ रुपये की केंद्रीय योजना की घोषणा

वर्कला शिवगिरी के विकास के लिए केंद्र सरकार पूरी तरह अग्रसर : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार सुबह आयोजित बैठक का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री सिंह ने घोषणा की कि वर्कला शिवगिरी के विकास के लिए केंद्र की 70 करोड़ की परियोजना को जल्द से जल्द पूरा होगा। समारोह की अध्यक्षता श्री नारायण धर्म संघम ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी सच्चिदानंद ने की। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने दो मिनट का मौन रखा और प्रधानमंत्री मोदी की मां हीराबेन मोदी को श्रद्धांजलि दी जिनका शुक्रवार की सुबह 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि पीएम मोदी की मां हीराबेन मोदी का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी कहीं भी अपना कोई भी कार्यक्रम रद्द नहीं करेगा और अपने कार्यक्रम पूरे होने के बाद ही दिल्ली लौटेगा। मैं उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना और बनाए रखना चाहता है लेकिन यह राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर नहीं किया जाएगा। यहां शिवगिरि मठ की 90वीं वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की उस टिप्पणी को याद किया जिसमें उन्होंने कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसलिए हमें अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंधों की जरूरत है। हालांकि हम अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर किसी के साथ अच्छे संबंध नहीं चाहते हैं।

कमलनाथ ने कहा राहुल गांधी होंगे 2024 में प्रधानमंत्री पद का चेहरा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर राहुल गांधी के नेतृत्व की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह (राहुल) वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष का चेहरा ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री पद का चेहरा भी होंगे। उन्होंने पीटीआई- को ईमेल के माध्यम से दिए साक्षात्कार में यह भी कहा भी कहा कि राहुल गांधी सत्ता की नहीं, बल्कि जनता की राजनीति करते हैं, ऐसे नेता को देश के लोग खुद-ब-खुद सिंहासन पर बैठा देते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी अगले लोकसभा चुनाव में विपक्ष का चेहरा हो सकते हैं, तो कमलनाथ ने कहा, ''जहां तक 2024 के चुनाव का सवाल है, तो राहुल गांधी जी विपक्ष का चेहरा ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री का चेहरा भी होंगे।''

उनके मुताबिक, दुनिया के इतिहास में 3500 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा किसी व्यक्ति ने नहीं की है। भारत देश के लिए इतनी शहादत किसी परिवार ने नहीं दी है, जितनी गांधी परिवार ने दी है। कमलनाथ ने कहा, राहुल गांधी सत्ता की राजनीति नहीं करते हैं। वह जनता की राजनीति करते हैं और जो जनता की राजनीति करता है, जनता उसे खुद-ब-खुद सिंहासन पर बैठा देती है। हाल के दिनों में यह पहली बार है, जब कांग्रेस के किसी वरिष्ठ नेता ने यह

कहा है कि अगले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद का चेहरा होंगे।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष 76 वर्षीय कमलनाथ ने कहा, जब 'भारत जोड़ो यात्रा' तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे दक्षिण भारत के राज्यों से गुजर रही थी, तो भाजपा ने दुष्प्रचार किया कि महाराष्ट्र में यात्रा विफल हो जाएगी। जब महाराष्ट्र में यात्रा को और ज्यादा समर्थन मिला, तो कहा कि हिंदी पट्टी में दक्षिण भारत जैसा समर्थन नहीं मिल पाएगा, लेकिन मध्य प्रदेश पहुंचकर यात्रा ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने यह भी कहा, अब तो सबने राजस्थान और उसके बाद दिल्ली में भी देख लिया है कि राहुल गांधी जी की यात्रा किस कदर लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में 'भारत जोड़ो यात्रा' में कांग्रेस के कार्यकर्ता ही शामिल नहीं हुए, बल्कि आम जनता और खासकर नौजवानों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''राहुल गांधी स्पष्ट कर चुके हैं कि 'भारत जोड़ो यात्रा' कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है। इस यात्रा का उद्देश्य भारत को तोड़ने वाली शक्तियों को पराजित करना और नफरत को समाप्त करना है। जहां तक चुनाव का सवाल है, तो मध्य प्रदेश में प्रचंड बहुमत से कांग्रेस की सरकार बननी तय है। 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद कार्यकर्ता दोगुने उत्साह से कार्य कर रहे हैं।'' यह पूछे जाने पर कि मध्य प्रदेश में भाजपा के मुख्यमंत्री बदलने की स्थिति में क्या कांग्रेस के लिए चुनौती मुश्किल होगी, तो कमलनाथ ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि भाजपा की तरफ से मुख्यमंत्री कौन है।

उन्होंने कहा, ''भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश में किसे मुख्यमंत्री बनाती है यह पार्टी का आंतरिक मामला है। मध्य प्रदेश की जनता ने तो 2018 में कांग्रेस का मुख्यमंत्री बनाया था। भाजपा जो भी मुख्यमंत्री बनाएगी, वह खरीद-फरोख्त की सरकार का मुखिया होगा। कांग्रेस पार्टी को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि भाजपा का मुख्यमंत्री कौन है। आप मध्य प्रदेश की जनता का इरादा समझ लें कि वह 2023 में कांग्रेस की सरकार बनाने वाली है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या भविष्य में ज्योतिरादित्य सिंधिया और पार्टी छोड़ने वाले कुछ अन्य नेताओं की कांग्रेस में वापसी संभव है, तो उन्होंने कहा, ''मैं किसी व्यक्ति विशेष के बारे में टिप्पणी नहीं करता।

स्वास्थ्य मंत्री ने कफ सिरप ही नहीं पूरा प्रोडक्शन बंद करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। उज्बेकिस्तान में भारतीय कफ सिरप से बच्चों की मौत का दावा किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय इस पूरे मामले पर अपनी नजर बनाए हुए है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ट्विटर के जरिए मामले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम ने खांसी की दवाई डॉक-1 मैक्स में अशुद्धि की रिपोर्ट के मद्देनजर मैरियन बायोटेक की सभी दवाओं के उत्पादन को 29 दिसंबर रात से रोक लगा दी है। इस मामले में आगे की जांच जारी है। उज्बेकिस्तान में 18 बच्चों की कथित तौर पर खांसी की दवाई से मौत के बाद से नोएडा की कंपनी मैरियन बायोटेक सवालों के घेरे में है। उज्बेकिस्तान के इस दावे के बाद भारत सरकार अलर्ट हो गई है। केंद्र की सरकार ने उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत को इंडियन कफ सिरप से जोड़ने के बाद हताहत होने वाले बच्चों को लेकर रिपोर्ट मांगी है। उज्बेकिस्तान में 18 बच्चों की कथित

मौत के दावों को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतना चाहता। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया खुद इस मामले पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा था कि दवा कंपनी की जांच के आधार पर आगे कदम उठाया जाएगा। उज्बेकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि बच्चों की मौत डॉक-1 मैक्स दवा पीने से हुई। उत्तर प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि मैरियन बायोटेक कंपनी भारत में खांसी की दवा डॉक -1 मैक्स नहीं बेचती और इसका निर्यात केवल उज्बेकिस्तान को किया गया है।

राहुल गांधी ने खुद प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया दिल्ली पुलिस ने गृह मंत्रालय को दी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कांग्रेसी नेता राहुल गांधी ने खुद ही सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया। राहुल गांधी को सुरक्षा के बारे में अवगत कराया था। दिल्ली पुलिस ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिल्ली में राहुल गांधी की सुरक्षा के पुख्ता व समुचित इंतजाम किए थे। दिल्ली पुलिस ने ये रिपोर्ट बुधवार शाम को गृहमंत्रालय को दी है। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा की ओर से गृहमंत्रालय को दी रिपोर्ट में कहा है कि दिल्ली पुलिस ने कहीं भी सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही नहीं बरती। कांग्रेसी नेता केसी वेणुगोपाल ने गृहमंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी थी। इस चिट्ठी में उन्होंने कहा था कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिल्ली में कई जगहों पर राहुल गांधी की सुरक्षा में कमी देखी गई। 24 दिसंबर को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने दिल्ली में प्रवेश किया था। कांग्रेसी नेता ने कहा था कि दिल्ली में राहुल की सुरक्षा में लापरवाही को लेकर यात्रा में शामिल कई लोगों से आईबी ने पूछताछ की थी। कांग्रेसी नेता की चिट्ठी के बाद गृहमंत्रालय ने अगले दिन दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट मांग ली थी। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने इस

मामले में दिल्ली पुलिस की सिक्यूरिटी ट्रैफिक व स्पेशल ब्रांच आदि यूनिटों से रिपोर्ट मांगी थी। यूनिटों की रिपोर्ट के आधार एक रिपोर्ट तैयार की गई और इस रिपोर्ट को गृहमंत्रालय को भेजा गया है। वरिष्ठ पुलिस सूत्रों का कहना कि दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में कहीं भी सुरक्षा में लापरवाही नहीं बरती। राहुल गांधी ही खुद ही सुरक्षा घेरे को तोड़ रहे थे। दिल्ली पुलिस ने साधा वर्दी में भी काफी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए थे। इन्होंने राहुल गांधी का सुरक्षा घेरा बना रखा था। पुलिस ने रस्से से जो घेरा बनाया था उसे भी राहुल गांधी तोड़ते दिखे। इस रिपोर्ट के बारे में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने अधिकारिक रूप से बोलने से इंकार कर दिया। हालांकि कई जगह राहुल गांधी की सुरक्षा में रस्सी का घेरा दिखाई नहीं दिया था।

भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस 26 जनवरी से हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू करेगी

–भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से गदगद पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैंने नफरत के बाजार में प्यार की दुकान खोली है। कन्याकुमारी से शुरू होकर 23 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त होने वाली कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में यह लाइन गूंजती रही है। 26 जनवरी को कांग्रेस हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की शुरुआत करेगी जो अगले दो महीने तक चलेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी ने हर राज्य में कार्यक्रम की निगरानी के लिए वरिष्ठ नेताओं को नियुक्त किया है। भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से उत्साहित कांग्रेस बूथ स्तर के सम्मेलन के माध्यम से हर मतदाता तक पहुंचने की योजना बना रही है। कांग्रेस ने महिलाओं के मार्च का नेतृत्व करने के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा को नियुक्त किया है।

प्रियंका प्रत्येक राज्य की राजधानी में महिला मार्च का नेतृत्व करेंगी और एक महिला घोषणापत्र पढ़ेंगी क्योंकि कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा को बूथ स्तर तक ले जाने के लिए तैयार है। पार्टी ने इसके लिए राज्य स्तर और फिर जिला और ब्लॉक स्तर पर अपनी तैयारी बैठकें शुरू कर दी हैं। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए पार्टी समान विचारधारा वाले नेताओं तक पहुंची है। कुछ पहले ही शामिल हो चुके हैं और महबूबा मुफ्ती और फारूक अब्दुल्ला जैसे नेता इसमें शामिल होने के लिए सहमत हो गए हैं। यात्रा के बाद प्रत्येक जिले में एक ब्लॉक स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रदेश अध्यक्ष और राज्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल होने वाले हैं।

कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा भारत जोड़ो यात्रा एक आंदोलन बन गया है आप लोग इसके बारे में जानते हैं। इस यात्रा में प्रतिदिन लाखों लोग भाग ले रहे हैं। कन्याकुमारी से शुरू होकर आज तक करोड़ों लोगों ने भाग लिया है। कांग्रेस नेताओं के अलावा आम लोगों ने इसमें उत्साहपूर्वक यात्रा में भाग लिया। पार्टी महासचिव ने कहा कि चूंकि यह यात्रा इस देश में सबसे बड़े आंदोलन के रूप में उभरी है इसलिए कांग्रेस संचालन समिति ने 26 जनवरी से हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का फैसला किया। उन्होंने कहा यह दो महीने का व्यापक अभियान होगा। वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में ब्लॉक स्तर पर दो महीने तक लगातार पदयात्रा होगी जबकि राज्य इकाइयां यात्रा संचालन के लिए प्रत्येक ब्लॉक के लिए दो नेताओं को नियुक्त करेंगी। यात्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में निकलेगी लेकिन यात्रा का नेतृत्व करने के लिए राज्य इकाई द्वारा प्रतिनियुक्त दो नेता होंगे। उन्होंने कहा इस यात्रा के साथ-साथ ग्राम-स्तरीय सभाएं होंगी। गांवों के प्रभावशाली लोगों से संवाद होगा और विशाल जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। फिर इस यात्रा का समापन राज्य की राजधानी में एक विशाल रैली के साथ होगा जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे या राहुल गांधी भाग ले सकते हैं। पार्टी कह रही है कि आलोचक अब मान रहे हैं कि यात्रा सफल रही। हरियाणा में भाजपा के गठबंधन सहयोगी दुष्यंत चौटाला को भी राहुल गांधी द्वारा यात्रा में किए जा रहे प्रयास की प्रशंसा करते सुना गया है। रामदेव ने 3570 किलोमीटर की यात्रा करने के लिए गांधी परिवार की प्रशंसा भी की।

मेगा डेयरी उद्घाटन में बोले अमित शाह, आज़ादी के बाद ही सहकारिता मंत्रालय की हो रही थी मांग

मुंबई (एजेंसी)। कर्नाटक में आगामी साल 2023 में विधानसभा चुनाव होंगे। सभी राजनीतिक दल चुनाव जीतनें की तैयारियों में जुट गए हैं। आगामी विधानसभा के चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। वहीं, भाजपा ने भी इसके मद्देनजर अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को मांड्या दौरे पर हैं। मेगा डेयरी उद्घाटन में केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज़ादी के बाद ही किसानों ने अलग सहकारिता मंत्रालय की मांग की थी। अगर उस समय इस पर काम होता तो आज भारत के किसानों की स्थिति कुछ और होती।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि पीएम ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर किसानों के विकास का रास्ता प्रशस्त किया। यह प्लांट 260 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है जिसमें 10 लाख लीटर प्रति दिन दूध को प्रोसेस करने की क्षमता है जिसे 14 लाख लीटर प्रति दिन तक बढ़ाया जा सकता है। कर्नाटक में 15,210 ग्राम स्तरीय सहकारी डेयरी जिसमें लगभग 26.22 लाख किसान दूध दे रहे हैं।

यात्रा लाभ को वोट में बदलना अगली चुनौती होगी: थरूर

– पार्टी को 2024 के आम चुनाव में चुनौती पेश करने क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की आवश्यकता होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर लोगों की व्यापक पैमाने पर प्रतिक्रिया आई है। इसे वोटों में तब्दील करना अगली चुनौती है और यह स्वतः नहीं होगा। थरूर ने यह भी कहा कि यात्रा की सफलता से सरकार हिल गई है और उसके द्वारा लिखे गए उस पत्र से संकेत मिल रहा है कि वह इसकी सफलता को लेकर बेहद चिंतित है जिसमें कोविड -19के उपस्वरूप से उत्पन्न खतरों की चेतावनी दी गई है जो चीन से आया हो सकता है। थरूर ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ा था लेकिन वह चुनाव मल्लिकार्जुन खरगे से हार गए थे। थरूर ने कहा कि उनकी पार्टी को 2024 के आम चुनाव में चुनौती पेश करने के लिए अन्य दलों विशेष रूप से क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि उनका स्वयं का मानना यह है कि उनका जिस तरीके से लोगों द्वारा स्वागत किया जा रहा है वह उनकी छवि के लिए बहुत लाभकारी है। अब इसे वोटों में बदलना अगली चुनौती है और यह स्वयं से नहीं होगा। कोविड-19 के यात्रा के लिए खतरा उत्पन्न करने के बारे में पूछे जाने पर थरूर ने कहा कि

यह यात्रा 26 जनवरी को समाप्त हो जाएगी और अब तक विशेषज्ञों से आने वाले संदेश काफी आश्वस्त करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि चीन में काफी क्षति पहुंचाने वाले स्वरूप की पहचान भारत में जून-जुलाई में पहले ही की जा चुकी है और कोई बड़ी आपदा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि देश को अभी भी सतर्क रहने की जरूरत है। थरूर ने कहा कि सरकार हिल गई है राहुल को पत्र लिखकर यह कहना कि कोविड ने यात्रा को खतरनाक बना दिया था एक संकेत है कि वह उसकी सफलता को लेकर बेहद चिंतित है।

इस हफ्ते की शुरुआत में कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि सरकार भारत जोडो यात्रा को रोकने के बहाने के रूप में कोविड का इस्तेमाल कर रही है। थरूर ने कांग्रेस पार्टी की पहले की शिकायतों की ओर भी इशारा किया कि यात्रा में भाग लेने वालों से गुप्तचर ब्यूरो ने पूछताछ की थी। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि यह दोहराया नहीं जाएगा क्योंकि हम हरियाणा उत्तर प्रदेश और कश्मीर में आगे बढ़ रहे हैं। थरूर ने यह भी कहा कि हालांकि उनका मानना है कि कांग्रेस विपक्षी दलों के बीच सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी फिर भी उसे 2024 के आम चुनावों से पहले अन्य विपक्षी दलों के साथ गठजोड़ की जरूरत होगी। पूर्व मंत्री थरूर ने कहा कि अगर हम अगली बार देश को एक वैकल्पिक सरकार की पेशकश करते हैं तो विपक्षी एकता बहत वांछनीय है।

थर्टी फर्स्ट नाइट और न्यू इयर पार्टीज पर पुलिस की नजर

– साल भर में मुंबई पुलिस ने किया 5000 करोड़ रुपए का ड्रग्स जब्त

– पुणे में 2 करोड़ की अवैध शराब बरामद सात गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई और पुणे समेत महाराष्ट्र के अलग-अलग स्थानों पर थर्टी फर्स्ट नाइट और न्यू इयर पार्टीज से पहले ड्रग्स और अवैध शराब का कारोबार और इनकी धड़पकड़ बढ़ गई है. गुरुवार को पुणे में एक्साइज डिपार्टमेंट ने गोवा में बनी हुई करीब 2 करोड़ रुपए की अवैध शराब बरामद की. दो ट्रक में भर कर दो हजार बॉक्स अवैध शराब लाया जा रहा था. इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इसी तरह पुणे पुलिस ने भी एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 लाख रुपए का मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद किया है. मुंबई पुलिस की भी ऐसी गतिविधियों और पार्टियों पर नजर है. इस तरह किसी भी रेव पार्टी नाइट सेलिब्रेशन में शामिल होने वालों के लिए हिदायत के तौर पर यह खबर अहम है कि खास कर मुंबई और पुणे पुलिस की ऐसे आयोजनों पर नजर है. मुंबई पुलिस के जवान सादी वर्दी में ऐसी पार्टियों में शामिल हो रहे हैं. शहर के हर अहम जंक्शन पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है. जो भी ड्रग्स का इस्तेमाल करता हुआ पाया जाएगा उस पर कड़ी कार्रवाई होने वाली है. खास कर 31 दिसंबर को मुंबई पुलिस की ओर से अलग-अलग ठिकानों में 25 डीसीपी 7 एडिशनल कमिश्नर 1500 ऑफिसर्स 10000 कॉन्स्टेबल 46 एसआरपीएफ प्लाटून और 15 क्यूआरटी की टीमें तैनात रहेंगी. बहरहाल अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से ड्रग्स के खिलाफ मुहिम में मुंबई पुलिस काफी सक्रिय हो गई है. साल 2022 में नवंबर महीने तक मुंबई पुलिस ने 4928.66 करोड़ रुपए के 4036 किलो ड्रग्स बरामद किए. इस दौरान मुंबई पुलिस के एंटी नार्कोटिक्स सेल ने 708 केस दर्ज किए 844 लोगों

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्कूल वैन चालक के फर्जी फर्म खोल कर की 1.16 करोड़ की जीएसटी चोरी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. अडाजण के स्कूल वैन चालक के नाम पर फर्जी फर्म खोल कर फर्जी बिलों के जरिए 1.16 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का मामला सामने आया है। इस संबंध में आर्थिक अपराध निरोधक शाखा (ईको क्राइम ब्रांच) ने आधा दर्जन लोगों को नामजद कर एक सीए समेत दो को गिरफ्तार किया हैं।

जानकारी के अनुसार रिंग रोड 21 सेंच्युरी में नितिन नकुल एण्ड कंपनी के नाम से कार्यालय चलाने वाले सीए नितिन माहेश्वरी, मोटा वराछा जयभवानी सोसायटी निवासी अरविंद वोरा, अनसुया वोरा, कतारगाम पटेल पार्क निवासी दीपक मकरुबिया, वेसू नंदीनी-2 निवासी रमेश गोयल व अलथाण रत्नश्याम रेजिडेंसी निवासी महेश राठी ने अन्य लोगों के साथ मिल कर फर्जी फर्मो व फर्जी बिलों के जरिए जीएसटी चोरी कर सरकार को 1.16 करोड़ रुपए का चूना

लगया।

आरोपियों ने 9 सितम्बर 2018 को किसी तरह से पालनपुर पाटिया योगी दर्शन सोसायटी निवासी स्कूल वैन चालक राजेश पंवार का आधारकार्ड, बैंक डिटेल समेत अन्य जानकारी हासिल की। उसके बाद राजेश के नाम से जीएसटी नम्बर लेकर रुद्रा इंटरप्राइजेज के नाम से फर्जी फर्म बनाई। उसके बाद इस फर्मे के जरिए बिना किसी व्यापारिक लेनदेन के फर्जी बिल बना कर लेनदेन किए। उसके बाद रुद्रा के जीएसटी नम्बर पर ही शिव इंटरप्राइज नाम से दूसरी फर्जी फर्म बनाई और उसमें भी फर्जी बिलों के जरिए ट्रांजेक्शन कर जीएसटी चोरी की।

इस संबंध में पीड़ित राजेश पंवार से शिकायत मिलने पर ईको क्राइम ब्रांच ने बुधवार रात मामला दर्ज किया। गुरुवार शाम आरोपी नितिन माहेश्वरी व उसे महेश राठी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि महेश ने ही राजेश के नाम का जीएसटी नम्बर व फर्जी बिल नितिन को दिए थे। महेश किसी और व्यक्ति ने जीएसटी नम्बर व फर्जी बिल दिए थे। उस व्यक्ति व अन्य आरोपियों की तलाश जारी हैं।

बैंक खाता फ्रिज होने पर सामने आया मामला

अपने नाम पर चल फर्जी फर्म से अनजान स्कूल वैन चालक राजेश गत 19 जुलाई को अपनी वैन में गैस भरवाने अडाजण स्थित जेके पेट्रोलियम पंप पर गया। उसने गूगल पे से भुगतान करने का प्रयास किया लेकिन भुगतान नहीं हुआ।

उसी शाम उसने एटीएम से रुपए निकालने का प्रयास किया तो एटीएम से भी रुपए नहीं निकले। इस पर वह बैंक ऑफ बडौदा की मजूरा गेट शाखा में प्रबंधक से मिला तो उसे बताया कि उसका खाता जीएसटी विभाग ने फ्रिज कर दिया है।

वह जीएसटी विभाग के अधिकारियों को मिला। उन्होंने उसके नाम की दोनों फर्मो के बारे में बताया और पेनल्टी समेत 1.16 करोड़ की बकाया जीएसटी की नोटिस की जानकारी दी। राजेश ने कहा उसने कोई फर्मे नहीं खोली वह तो स्कूल वैन चलाता है। जीएसटी विभाग ने उसे पुलिस में शिकायत दर्ज करवाने की सलाह दी।

दिवंगत ससुर का दिया कंसल्ट लेटर

राजेश के नाम पर जीएसटी नम्बर लेने के लिए आरोपियों ने 2018 में उसके ससुर दिलीप भुवड के नाम का कंसल्ट लेटर दिया था। जबकि दिलीप भुवड की 6 सितम्बर 1997 में ही मौत हो गई थी। पीड़ित से शिकायत मिलने पर पुलिस ने कागजातों की जांच की और फिर आधा दर्जन आरोपियों को नामजद किया।

डिंडोली की कॉलेज छात्रा को इंस्टाग्राम पर भद्दे संदेश भेजने वाले को खोज रही पुलिस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली-नवागाम क्षेत्र में रहने वाली एक कॉलेज छात्रा की इंस्टाग्राम आईडी पर अलग-अलग नाम से फर्जी आईडी बनाकर उसे सोशल मीडिया पर फॉलो करने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ डिंडोली पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है।

भद्दा मैसेज भेजने वाले की आईडी ब्लॉक कर दी

कॉलेज छात्रा रिया (उम्र 21 वर्ष) की इंस्टाग्राम आईडी पर छह महीने पहले सूरज09585 नाम की आईडी से एक भद्दा मैसेज आया था। रिया ने मैसेज को इग्नोर कर दिया और आईडी ब्लॉक कर दी। लेकिन अजनबी सूरज79009 नाम की आईडी से मैसेज करने लगा। हालांकि रिया ने इस आईडी को भी ब्लॉक कर दिया। रिया द्वारा दो आईडी ब्लॉक करने के बावजूद अजनबी ने सेक्सीगर्ल394, सूरज75780, सूरज88799 नाम की आईडी से अश्लील और भद्दे मैसेज भेजना, सोशल मीडिया पर उसे फॉलो करना और परेशान करना जारी रखा। अंत में छात्रा ने डिंडोली पुलिस स्टेशन में एक आवेदन दिया जिसके आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

भेस्तान स्थित गोल्डन फ्लैट से एक महिला 3.84 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान में ईडब्ल्यूएस आवास के पास गोल्डन फ्लैट पर छापेमारी कर पुलिस ने एक महिला को 3.84 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया और गांजा खरीदने वाले व बेचने वाले समेत दो को वांछित घोषित कर दिया।

किचन के डब्बे और बेडरूम की अलमारी में छुपाया था गांजा

गुप्त सूचना के आधार पर पांडेसरा पुलिस ने भेस्तान ईडब्ल्यूएस आवास के पीछे गोल्डन फ्लैट निवासी बानू उर्फ ??यास्मीन शहीद फकीरा शेख (उम्र 45) के घर पर छापा मारा। यास्मीन के आवासीय फ्लैट की तलाशी के दौरान किचन में डब्बों के अलावा बेडरूम की अलमारी से 3.84 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। का जत्था जिसकी कीमत 38,480 रुपये, एक मोबाइल फोन सहित कुल 38,980

भेस्तान के साईराम नगर से बिक्री के लिए खरीदा गांजा गांजे के संबंध में पूछताछ करने पर उसके साथ रहने वाले शोएब नजीर शाह ने स्वीकार किया कि वह भेस्तान के साईराम नगर में रहने वाले प्रशांत से थोक बिक्री के लिए लाया था। पुलिस ने गांजे का सामान जब्त किया है। पुलिस ने यास्मीन, शोएमब और प्रशांत के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर यास्मीन को गिरफ्तार कर लिया। शोएब और प्रशांत को वांछित घोषित कर उनकी तलाश की जा रही है।

फ्लाइट कनेक्टिविटी बढ़ाने और दूरंतो के सूरत में स्टॉपेज की मांग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. केंद्र सरकार के आगामी बजट में सूरत कपड़ा मंडी के व्यापारियों के व्यापारिक हितों को ध्यान में रख गुरुवार को हुई व्यापारिक संगठन साउथ गुजरात टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन की बोर्ड मीटिंग में कई जरूरी मांगें तैयार की गई है। इनमें ट्रेडर्स का जीएसटी रिफंड, सूरत की फ्लाइट कनेक्टिविटी एवं किराया भाड़ा, दूरंतो ट्रेन एवं अन्य ट्रेनों के स्टॉपेज आदि मांगें शामिल रही एसजीटीटीए की बोर्ड मीटिंग रिंगरोड कपड़ा बाजार स्थित कोहिनूर टेक्सटाइल हाउस स्थित कार्यालय में गुरुवार दोपहर रखी गई। बैठक में बोर्ड सदस्यों ने कोरोना के बाद सूरत में दिनों-दिन फ्लाइट की संख्या घटकर आधी से भी कम हो जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की। साथ ही बताया कि फ्लाइट की कम कनेक्टिविटी के कारण वड़ोदरा और अहमदाबाद से दिल्ली के भाड़े से डबल रेट में सूरत से टिकट मिल रहा है। पहले किराया भाड़ा 4 हजार रुपए तक होता था। आज यह बढ़कर 11-12 हजार रुपए तक पहुंच गया है। कोरोना के

पहले जब रीजनेबल भाड़ा था, तब एयर ट्रैफिक भी सूरत से भरपूर मिल रहा था। बैठक में 70 से 80 लाख की आबादी वाले और तेजी से विकसित हो रहे सूरत महानगर में फ्लाइट की संख्या घटने से व्यापार प्रभावित होने पर चिंता जताई गई। सरकार को इस स्थिति में सुधार के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत बताते हुए बैठक में सदस्यों ने कहा कि सूरत महानगर को मुख्य शहरों से पहले की तरह कनेक्टिविटी बहुत जरूरी है। एविएशन मिनिस्ट्री को इस मुद्दे पर तत्काल राहत देना चाहिए।

एयर कनेक्टिविटी के बाद रेलवे सुविधा के संबंध में बोर्ड मेंबर्स ने बैठक में बताया कि आबादी में सूरत से बहुत कम वड़ोदरा में सूरत की तुलना में बहुत अधिक ट्रेनों का स्टॉपेज है। संस्था को दूरंतो और अन्य सुपर फास्ट ट्रेनों के सूरत में हॉल्ट के लिए रेल मंत्रालय को एक ज्ञापन देना चाहिए। साथ ही यथाशीघ्र इस विषय में मंत्री से मिलकर महत्वपूर्ण ट्रेनों के स्टॉपेज सूरत में कराने का प्रयास करना चाहिए। कपड़ा व्यापारियों के संगठन एसजीटीटीए की बोर्ड मीटिंग में केंद्र सरकार के आगामी बजट में इन सभी विषयों को शामिल किए जाने के लिए एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल व केंद्रीय रेल व वस्त्र राज्यमंत्री दर्शना जरदोष को ज्ञापन सौंपेगा। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनीलकुमार जैन ने की व संचालन महामंत्री सचिन अग्रवाल ने किया। बैठक में सुनील मित्तल, महेश जैन, दिनेश कटारिया, प्रदीप खंडेलवाल, अनिल चडांलिया, विनोद अग्रवाल आदि मौजूद थे।

-जीएसटी इनपुट लेने की प्रक्रिया जटिल

बैठक में बताया कि सरकारी नियमानुसार ट्रेडर्स भाई समय-समय पर जीएसटी भरते हैं। जीएसटी इनपुट लेने की जटिल प्रक्रिया के चलते व्यापारी सहजता के साथ अपना क्लेम नहीं कर पाता। जीएसटी की इस पेचीदगी को सरल किया जाए ताकि व्यापारियों को समय पर इनपुट मिल पाए। मीटिंग में इस बात का भी जिक्र आया कि इन्कम टैक्स में यदि हमारा टैक्स ज्यादा जमा हो जाता है तो रिटर्न फाइल करने के बाद हमारा पैसा डायरेक्ट खाते में जमा हो जाता है। इस विभागीय व्यवस्था से इन्कम टैक्स धारक बहुत राहत महसूस कर रहे हैं। व्यापारी भाइयों की क्रेडिट जमा कराने की प्रक्रिया को इन्कम टैक्स की तरह सरल किए जाने की आवश्यकता है।

-टैक्सपेयर को मिले सामाजिक सम्मान

एसजीटीटीए की बोर्ड मीटिंग में सदस्यों ने बताया कि व्यापारी जीवन पर्यंत इन्कम टैक्स भरता रहता है। रिटायरमेंट के टाइम के समय किसी भी रूप में पेंशन, सुविधा, कैश रिफंड या किसी भी प्रकार की राहत सरकार से नहीं मिलती है। आगामी बजट में ईमानदार इन्कम टैक्स पेयरों को किसी भी तरह से अवार्ड देकर सामाजिक स्तर पर सम्मानित करने पर भी सरकार को विचार करना चाहिए। इसके अलावा टैक्स स्लैब में काफी समय से कोई बदलाव नहीं हुआ है। टैक्स स्लैब को और घटाए जाने की आवश्यकता है, ताकि व्यापार में सरलता बढ़े। कोर्पोरेट टैक्स को जिस तरह कम किया गया है। उसी तर्ज पर व्यापारी भाइयों को टैक्स स्लैब में कुछ राहत मिलना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

महापालिका संचालित विद्यालयों में स्मार्ट बोर्ड उपलब्ध कराकर छात्रों-शिक्षकों को स्मार्ट बनाने का प्रयास

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत महापालिका के अधीन की शिक्षा समिति के 50 विद्यालयों में 100 स्मार्ट बोर्ड व सुमन विद्यालय में 104 स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से बच्चों को निजी विद्यालयों की तरह शिक्षा दी जा रही है। नगर पालिका सूरत के निजी स्कूलों की तरह सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर में सुधार के साथ-साथ शिक्षकों और छात्रों को स्मार्ट बनाने की कोशिश है। इसके लिए शिक्षकों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है। स्मार्ट बोर्ड के कारण विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ रही है और शिक्षक कम मेहनत में बेहतर कार्य कर पा रहे हैं।

ऑडियो विजुअल माध्यम से शिक्षा प्रदान कर स्तर सुधारने का प्रयास

सूरत नगर शिक्षा समिति और सुमन स्कूल अब काले और नीले रंग के बोर्ड को खत्म

करने जा रहे हैं। नगर पालिका इंटरनेट का उपयोग कर ऑडियो विजुअल माध्यम से शिक्षा प्रदान कर स्तर सुधारने का प्रयास कर रही है। इसके परिणाम स्वरूप शिक्षा समिति के 50 विद्यालयों में 100 तथा सुमन विद्यालय में 104 स्मार्ट बोर्ड लगाये गये हैं। समिति के विद्यालय में कुछ विषयों को प्रोजेक्टर स्क्रीन पर दिखाकर रंगीन स्वरूप से जानकारी के साथ विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जा रही है। हर स्कूल में दो स्मार्ट बोर्ड दिए गए हैं और आने वाले दिनों में इन बोर्डों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

छात्र अध्ययन में ऊबते नहीं और वे रुचि के जानकारी को जल्दी से ग्रहण करते हैं

छात्रों को विभिन्न प्रयोगों, उदाहरणों और कहानियों के ऑडियो वीडियो के माध्यम से पढ़ाया जाता है। इस प्रकार की विधि से छात्र अध्ययन में ऊबते नहीं हैं और वे रुचि के साथ जानकारी को देखते हुए शिक्षा को जल्दी से ग्रहण कर लेते हैं। दावा किया जा रहा है कि पढ़ाई में बोरियत कम होने से शिक्षा का स्तर सुधरेगा। यह बोर्ड इंटरनेट से जुड़ा होने के कारण छात्रों को आधुनिक जानकारी उपलब्ध है और छात्र तेजी से सीख भी रहे हैं।

6 दिन में 23,168 लोगों ने लगवाई कोरोना वैक्सीन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

देश में भले ही अभी कोरोना के मामलों में तेजी नहीं दिख रही है, लेकिन बढ़ते संक्रमण की आशंका के बीच सूरतवासी सुरक्षा के तौर पर बूस्टर डोज लेने लगे हैं। मनपा क्षेत्र में पिछले छह दिनों में ही 23 हजार से अधिक लोगों ने कोरोना वैक्सीन ली है।

चीन, अमेरिका, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों में कोरोना के नए वैरिएंट

बीएफ.7 फैलने की खबर ने केंद्र सरकार की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि गुजरात समेत देश में फिलहाल कोविड के मामले नहीं बढ़ रहे। इसी बीच सूरत समेत देश में टीकाकरण की रफ्तार तेज हो गई है। संक्रमण की आशंका के बीच सूरत में रोजाना टीकाकरण की दर 10-15 गुना बढ़ गई है। पहले 200-300 लोग रोजाना वैक्सीन लेते थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 4,000 के करीब पहुंच गई हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि हवाईअड्डों पर यात्रियों की रैंडम जांच की जा रही है। मनपा स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कोरोना फैलने की आशंका के बीच प्रतिदिन कोरोना वैक्सीन लेने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई हैं। पिछले छह दिनों में कुल 23,168 लोगों ने वैक्सीन ली है।

सभी हेल्थ सेंटरों में वैक्सीन दी जा रही है। पहला, दूसरा डोज लेने वालों में कई लोग है जिन्होंने प्रिकॉशन डोज नहीं लिया है। वैक्सीन लेने वालों की संख्या बढ़ी है।

शहर का पहला पुल जहां भारी व्यवसायिक वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के लिंबायत जोन में डुंभाल माधवबाग खाडी पर अवैध पुल को हटा दिया गया है और इसके स्थान पर एक नया पुल बनाया है। गुरूवार को इसका उद्घाटन किया गया। यह सूरत शहर का पहला पुल है जहां केवल हल्के चार पहिया वाहनों को प्रवेश की अनुमति होगी जबकि वाणिज्यिक भारी वाहन इस पुल का उपयोग नहीं कर सकेंगे।

पुराने खाडी ब्रिज को बिल्डर ने बिना अनुमति के बनाया था

सूरत नगर निगम और टी.पी. के दक्षिण पूर्व (लिम्बायत) जोन क्षेत्र में टीपी नंबर 64 (मगोब डुंभाल) एफपी नंबर 95 (रंगवधूत सोसाइटी के दक्षिण में) टीपी. 19 (परवत - मागोब) फा. प्लॉट नंबर 1 माधवबाग सोसाइटी के उत्तर में खाडी ब्रिज पर्वत पटिया को पर्वत गांव से जोड़ने वाली सड़क के पास स्थित है। इस पुल को उस समय बिना नगर पालिका की अनुमति के बिल्डर ने बना दिया था। नाले के ऊपर बने इस पुल की संकरी चौड़ाई के अलावा, नाले में उठे खंभों के कारण, मानसून के दौरान पानी बाधित हो जाता था और क्षेत्र में बाढ़ आ जाती थी।

आरसीसी का पुल बनाते तो खाडी में पिलर आत इस लिए लोहे के स्ट्रक्चर का इस्तेमाल किया

इस स्थान पर नाला तटबंध परियोजना के तहत नाले का पुनर्विकास किया गया था जिसमें इस स्थान पर खाड़ी की चौड़ाई लगभग 20.00 मीटर थी। लेकिन पुल के कारण यह खाड़ी पर्याप्त चौड़ी नहीं हो सकी। लिहाजा, इस संबंध में आसपास के सोसायटी के निवासियों को मानसून में जलभराव की शिकायत मिलती रहती थी। इसलिए इस पुराने बीज को हटाकर उसके स्थान पर एक नया पुल बनाने की योजना बनाई गई। जिसका उद्घाटन आज गुरूवार को पुल का काम पूरा होने के बाद किया गया। यदि इस स्थान पर आरसीसी पुल बनाया जाता है तो खाड़ी के अंदर खंभों के साथ निर्माण करना होगा, यदि ऐसा होता है तो फिर से पानी भरने की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। लिहाजा नगर पालिका ने इस स्थान पर लोहे का पुल बनाकर यातायात की समस्या का समाधान किया है।